डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
10 नवम्बर 2023
शुक्रवार

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
32 अधिकतम
19 न्यूनतम

धनतेरस आज

अब दो दिन मप्र में प्रचार के लिए ज्यादा चलेगा डोर टू डोर का दौर

चुनावी प्रचार में घुले त्योहार के रंग
सीएम के विमान पर सवार हुए राहुल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र में विधानसभा चुनाव के प्रचार में जो तेजी बीते तीन दिन रही,वह अब कुछ मंद पडने लगी है,वजह आज से दीवाली के त्योहार का शुरू होना भी मानी जा रही है। उम्मीदवार अब अगले दो दिन दिवाली मिलन के बहाने डोर टू डोर पर ध्यान केंद्रित करने वाले हैं। इधर मप्र में सघन प्रचार कर रहे पीएम नरेंद्र मोदी के आज दौरे नहीं हैं, हालांकि कांग्रेस के लिये राहुल गांधी आज भी मप्र में हैं और वे सतना,बड़वानी के राजपुर में सभा कर रहे हैं। कल मोदी ने भी सतना में सभा की थी। बीती रात उन्होंने जबलपुर में बड़ा रोड शो किया था। खास बात यह है कि आज कट्टर राजनीतिक प्रतिद्वंदी शिवराज सिंह चौहान और राहुल गांधी ने एक ही विमान से सफर किया। शिवराज आज प्रचार के लिये अनूपपुर अंचल में हैं, बताते हैं कि वे सुबह जिस विमान से जबलपुर पहुंचे,उसी विमान से जबलपुर में मौजूद राहुल गांधी और रणदीप सुरजेवालां ने सतना की उड़ान भरी। बताया जाता है कि यह विमान पूर्व कांग्रेस विधायक और मौजूदा भाजपा नेता संजय पाठक का है। इसे एक कंपनी ने किराए पर लिया हुआ है।

कांग्रेस पर गरजे शिवराज

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आज अनूपपुर के कोतमा पहुंचे। यहां की सभा में वे कांग्रेस पर जमकर गरजे।उन्होंने कांग्रेस के पंद्रह महीने के शासनकाल को निशाने पर लिया। वे मंडला व बालाघाट में चुनावी सभा कर रहे हैं। यहां से वे बालाघाट रवाना होंगे।जहां पांच विधानसभा क्षेत्रों बैहर, बालाघाट, परसवाड़ा, वारासिवनी व कटंगी विधानसभा विधानसभा क्षेत्रों में चुनावी सभा करेंगे।

सतना में बोले राहुल-हमने ओबीसी की चिंता की तो पीएम ने खुद को ओबीसी बताना शुरु कर दिया

राहुल गांधी ने सतना में कहा कि भाजपा शिवराज ने बड़े उद्योगपति से मिलकर मप्र में हमारी सरकार चोरी की। अब वे सस्ता सिलेंडर दे रहे हैं, जबकि हम पांच साल के लिये पांच सौ का सिलेंडर देंगे, वो एक महीने देंगे। जब तक जनता की जेब में पैसा नहीं डाला जाएगा, तब तक मप्र पैरों पर खड़ा नहीं होगा। जितना पैसा सरकार ने अडानी और बडे अरबपतियों को दिया है, उतना पैसा कांग्रेस की सरकार सबसे गरीब लोगों को देने जा रही है। राहूल ने कहा कि कल सतना में मोदी ने जो भाषण दिया, मैंने सुना। अब वो जहां जाते थे खुद को ओबसी बताते हैं, जबकि दो करोड का सूट पहनते हैं, हजारों करोड के हवाईजहाज में जाते हैं। एक दिन में वे रोज दो सूट बदलते हैं। राहुल ने पूछा कि कभी एक ही ड्रेस में लगातार मोदी को दो दिन देखा गया। फिर भी कहते हैं ओबीसी हूं। जबकि कुछ दिन पहले कहते थे कि हिंदुस्तान में सिर्फ गरीब जाति है।

नाथ बोले- कलाकारी की राजनीति बहुत हुई

कमलनाथ ने हरसूद,खंडवा की सभा में कहा कि अब वक्त है कि मतदाता अपने सही विकास के बारे में सोचे,कब तक अभावों में जीवन बसर करेंगे। नाथ ने आदिवासी अंचलों की दुर्दशा का आरोप लगाया कि पुरानी पीढी तो अभावों में जीवन जीती रही है, नई पीढी की जरूरत व सोच दूसरा है। भाजपा ने कलाकारी की राजनीति की है,इसे अब नहीं चलने दें, शिवराज ने महंगाई,बेरोजगार व भ्रष्टाचार दिया है।

अब बिहार विधानसभा में हंगामा, मांझी धरने पर

पटना , एजेंसी।

विधानसभा सत्र के शुरूआत से पहले ही विधानसभा अध्यक्ष के चेंबर के बाहर पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी अपने समर्थकों के साथ धरने पर बैठ गए। उनके साथ नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा सीएम नीतीश कुमार के इस्तीफे की मांग की। विपक्ष का विरोध प्रदर्शन देख महागठबंधन के नेता भी विधानसभा परिसर में विरोध प्रदर्शन करने लगे। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध कर रहे हैं। हाथ में तख्तियां लेकर महागठबंधन के नेता विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इधर, सदन के अंदर हंगामा देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी ने विधानसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी ।

दरअसल विपक्ष का विरोध प्रदर्शन देख महागठबंधन के नेता भी विधानसभा परिसर में विरोध प्रदर्शन करने लगे। बिहार विधान मंडल के शीतकालीन सत्र का आज आखिरी दिन है। वहीं हंगामे के बीच चौथे दिन यानी गुरुवार को विधानसभा आरक्षण संरक्षण विधेयक 2023 पास हो गया। भाजपा ने भी अपना समर्थन दिया। आज सदन की कार्यवाही के दौरान भाजपा फिर से हंगामा कर सकती है। ज्ञात हो कि गुरुवार को आरक्षण संशोधन बिल पेश करते वक्त सीएम नीतीश कुमार फिर से भड़क गए थे। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी को खूब खरी-खोटी सुनाई थी।

ऑड-ईवन : दिल्ली सरकार का सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा

नई दिल्ली , एजेंसी।

दिल्ली सरकार ने ऑड-ईवन को सही बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया है। सरकार ने एक वैज्ञानिक अध्ययन का हवाला देते हुए कहा कि इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। सरकार ने बताया कि इससे सड़कों पर भीड़भाड़ कम हुई है। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि ऑर्ड-ईवन स्कीम से ईंधन की खपत में 15त्न की कमी आई है। ऑड-ईवन के दौरान सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल बढ़ा है। इस मामले में आज यानी शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करेगा। दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि डीआईएमटीएस रिपोर्ट के निष्कर्षों ने मोटे तौर पर वाहनों द्वारा योगदान किए गए वायु प्रदूषण में कमी के सकारात्मक प्रभाव का संकेत दिया, इसके अलावा दिल्ली की सड़कों पर भीड़ में कमी के साथ-साथ ऑड-ईवन ड्राइव की अवधि के दौरान सार्वजनिक परिवहन की हिस्सेदारी में वृद्धि हुई।

50हजार करोड़ की धनवर्षा बाजारों पर

नई दिल्ली/भोपाल

आज से दिवाली का उल्लास देशभर में शुरू हो गया है। आज धनतेरस के मौके पर बाजारों में रौनक अपने चरम पर है,बीती रात ही दिल्ली भोपाल समेत हर शहर के बाजार आधी रात तक खुले रहे इनमें लोगों की भारी भीड़ देखी गई। दिल्ली समेत देशभर के व्यापारियों के लिए धनतेरस बड़ा मौका है। वहीं सरकार की %वोकल फॉर लोकल % की पहल ने देसी सामान के सेल को जबरदस्त बूस्ट मिला है। चीनी सामानों को पछाड़ते हुए मेड इन इंडिया सामानों की सेल में जबरदस्त उछाल आया है।हालांकि इनके भाव भी कुछ बढे हुए हैं। वहीं कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया और राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल का कहना है कि धनतेरस के मौके पर देश भर में 50,000 करोड़ रुपये से अधिक की रिटेल सेल का अनुमान है। 'वोकल फोर लोकल' का असर कारोबार पर दिख रहा है। देसी सामानों की सेल को बूस्ट मिला रहा है।

क्या-क्या खरीद रहे हैं लोग

धनतेरस पर सोना-चांदी खरीदने की परंपरा सालों से चली आ रही है। कहा जाता है कि आज के दिन सोना-चांदी खरीदने पर धन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। धनतेरस के मौके पर सोना-चांदी, डायमंड के गहने, चांदी के सिक्के, नोट और मूर्तियां खरीदी जा रही है। इसके अलावा धनतेरस के मौके पर नए बर्तन, रसोई का सामान, वाहन, कपड़े और रेडीमेड गारमेंट, इलेक्ट्रॉनिक्स सामान, बिजली का सामान , कंप्यूटर-लैपटॉप जैसे सामान, मोबाइल, बही खाते, फर्नीचर आदि भी खरीदते हैं। इसके अलावा प्राचीन मान्यता के अनुसार धनतेरस के दिन झाड़ू, मिट्टी के सामान खरीदने की परंपरा है।

उसे 1 लाख करोड़ का नुकसान !: एक अनुमान के अनुसार, दिवाली से जुड़े लोकल सामानों की सेल बढ़ने से चीन को झटका लगा है। चाइनीज सामानों की सेल में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। अनुमान है कि इस साल दिवाली में चाइनीज सामानों के बायकॉट के कारण चीन को लगभग 1 लाख करोड़ रुपये का नुकसान होगा। इस साल धनतेरस पर लोग सोने-चांदी के अलावा डेकोरेशन सामानों की सेल पर जोर दे रहे हैं।

तीन महीने में तीसरा दुश्मन भी खत्म

नई दिल्ली । भारत के दुश्मनों का खात्मा होने का सिलसिला चल रहा है। तीन महीनों में तीन दुश्मन मारे जा चुके हैं। दरअसल लश्कर-ए-तैयबा के पूर्व नेता अकरम खान की बीती रात अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि अकरम खान उर्फ अकरम गाजी की पाकिस्तान के बाजौर में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारीी। गाजी ने साल 2018 से 2020 तक लश्कर भर्ती सेल का नेतृत्व किया था। साथ ही वह पाकिस्तान में अपने भारत विरोधी भाषणों के लिए जाना जाता था।

इन आतंकियों का भी हुआ : इसी साल अक्टूबर में पठानकोट हमले के मास्टरमाइंड शाहिद लतीफ की पाकिस्तान में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। लतीफ पाकिस्तान के गुजरांवाला शहर से भारत के सबसे वांछित आतंकवादियों में से एक था और 2016 में पठानकोट वायु सेना स्टेशन में घुसने वाले चार आतंकवादियों का हैंडलर था।इससे पहले बंदूकधारियों ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में अल-कुदुस मस्जिद के अंदर के एक शीर्ष आतंकवादी कमांडर की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

यमुनानगर में 10 की मौत, कांग्रेस नेता सहित 7 गिरफ्तार

यमुनानगर । जहरीली शराब से यमुनानगर में हो रही मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। पंजेटो का माजरा गांव के 65 वर्षीय जगीर सिंह की आज सुबह मौत हो गई। उसे भी उल्टी होने लगी और आंखों से दिखना कम हो गया था। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिस ने उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए कब्जे में ले लिया। पंजेटो का माजरा में अब तक तीन मौत हो चुकी हैं। वही मंडेबरी के 35 विपिन की गुरुवार शाम मौत हो गई। अब तक मंडेबरी, पंजेटो का माजरा व फूंसगढ़ में जहरीली शराब पीने से 10 लोगों मौत हो चुकी है। जहरीली शराब प्रकरण में पुलिस ने अभी तक कांग्रेस नेता समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें शराब ठेकेदार, सप्लायर व अंबाला के बिंजलपुर में नकली शराब बनाने वाले शामिल हैं। इस मामले में अभी और भी कई गिरफ्तारियां हो सकती हैं। मंडेबरी में जहरीली शराब पीने से सबसे ज्यादा छह मौत हुई हैं।

रूद्राक्ष से कैंसर का इलाज 3 डोज में चंगे होने लगे चूहे!

नई दिल्ली , एजेंसी।

कहा जाता है कि रुद्राक्ष दरअसल रुद्र के अश्रु से बना होता है। अब यही रुद्राक्ष कैंसर के उपचार में भी सहायक बन सकता है क्योंकि इसके लिए चूहों पर किए गए ट्रायल में सफलता भी मिल चुकी है। जल्द ही इंसानों पर ट्रायल के लिए शोधार्थियों की बीएचयू के साथ अनुबंध की तैयारी है। शोधार्थियों का दावा है रुद्राक्ष में इलेक्ट्रो मैग्नेटिक एनर्जी के साथ फाइटो कैमिकल्स (एल्केलॉइड, फिनोलिक व फ्लेवेनोइड्स) भी हैं। फाइटो कैमिकल्स का असर कीमोथैरेपी (सिस्प्लैटिन) की तरह होता है। जहां कीमोथैरेपी के कई साइड इफेक्ट हैं, लेकिन रुद्राक्ष के फाइटो कैमिकल्स का कोई साइड इफेक्ट नहीं हैं। बताया जाता है कि वाराणसी के शोभित विवि के डॉ. शिवा शर्मा, डॉ. मनीषा शर्मा और शोधार्थी मिलिन सागर और प्रशांत पांडेय ने रुद्राक्ष पर शोध किया है रुद्राक्ष के फाइटो कैमिकल्स का परीक्षण कैंसर पीड़ित चूहों पर हुआ है। मीडिया रिर्पोट के मुताबिक कैंसर से गंभीर पीड़ित चूहों को दिन में तीन बार फाइटो कैमिकल्स से बनी दवा की डोज दी गई। 15-15 दिन में उनके स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया। इस दौरान चूहों की भूख-प्यास कतई प्रभावित नहीं हुई। लीवर, किडनी के अलावा हाजमा भी सही रहा। कुछ समय बाद जब परीक्षण किया तो परिणाम हैरान करने वाला निकला। अधिकांश चूहों को कैंसर से मुक्ति मिल गई।

कीमोथैरेपी वाले साइड इफेक्ट नदारद

शोध करने वाले **डॉ. शिवा शर्मा** का कहना है कि रुद्राक्ष न सिर्फ धारण करने पर बल्कि दवा के रूप में भी उम्मीद से ज्यादा लाभकारी है। 26 तथ्यों से युक्त रुद्राक्ष की इलेक्ट्रो मैग्नेटिक फील्ड इंसान की बायो इलेक्ट्रोसिटी के संपर्क में आने से हीलींग थेरेपी का काम करती है। इससे रक्तचाप, तनाव आदि से राहत मिलती हैं। इसमें कई लाभकारी फाइटो कैमिकल्स भी हैं। एक्लेलॉइड, फिनोलिक व फ्लेवेनोइड्स फाइटो कैमिकल्स का अतुलनीय संतुलन हैं। यह कैंसर के रोगी के लिए रामबाण हैं। कीमोथैरेपी कराने से बाल झड़ना, भूख-प्यास न लगना। बेचैनी, घबराहट जैसे कई साइड इफेक्ट होते हैं।

बाजार में दीपावली की धूम

भोपाल। शहर के बाजारों में दीपावली की रौनक नजर आने लगी है। बीती रात से ही बाजारों में खरीदारी तेज हो गई है। आधी रात तक राजधानी के मुख्य बाजार खुली रहे। आज भी सुबह से बाजारों में चहल पहल तेज हो गई है। सजावटी सामग्री बिजली के रंग-बिरंगे बल्ब से लेकर सोना-चांदी और बर्तन व कपड़ों की दुकानों पर भारी भीड़ रही।

पहले से पता था नवंबर में होंगे चुनाव, उसी समय रखी परीक्षाएं

बीयू समेत कई विश्वविद्यालयों ने परीक्षाओं की तारीखें बदली

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

यह पहले से तय था कि नवंबर माह में मप्र विधानसभा के चुनाव होने हैं। आयोग छह महीने से इसकी तैयारी कर रहा था। तब भी मप्र के बीयू समेत कई विश्वविद्यालयों ने इसी महीने परीक्षा की तारीखें घोषित कर दी।

इस अनुरूप लाखों विद्यार्थियों ने परीक्षा की तैयारियां शुरू की और अब बीयू प्रबंधन तारीखों में बदलाव कर रहा है। अब तक कई सेमेस्टर की परीक्षाओं की तारीखों में बदलाव कर दिया है।

जैसे, स्नातक स्तर दूसरे, चौथे और छठवें सेमेस्टर की पूरक के समय-सारिणी में कालेजों में अवकाश और चुनाव को देखते हुए बदलाव किया है। अब बीकाम सेकंड सेमेस्टर एक्स / एटीकेटी की बिजनेस मैनेजमेंट की परीक्षा 9 नवंबर से होनी थी, जो 28 नवंबर को होगी। बीएससी सेकंड सेमेस्टर की गणित और माइक्रोलाजी कर परीक्षा की तारीख भी बदली है। यह परीक्षा भी 9 नवंबर को होनी थी जो 28 नवंबर को होगी। जबकि बीए सेकंड सेमेस्टर की परीक्षा 24 नवंबर को होगी। इसमें समयजशास्त्र व कंप्यूटर एप्लीकेशन का पेपर 24 को होगा।

- **बीएड चौथे सेमेस्टर की विशेष पूरक अनिवार्य प्रश्नपत्रों की परीक्षा 24 नवंबर से शुरू होगी।**
- **बीएससी छठवें सेमेस्टर की एटीकेटी परीक्षार्थियों की 24 नवंबर को होने वाली परीक्षाएं 29 नवंबर को होगी।**
- **बीए चतुर्थ सेमेस्टर के परीक्षार्थियों की 10 नवंबर के बदले 28 नवंबर को होंगी।**

ऐसे प्रभावित हो रहे विद्यार्थियों

- **परीक्षा** के लिए पाठ्यक्रमों को नए सिरे से तैयार करना पड़ेगा। रिविजन में समय लगेगा। मानसिक तौर पर भी तैयार रहना पड़ेगा।
- **जिन** परीक्षाओं की तारीखें आगे बढ़ाई है, उनके लिए आने वाली दूसरी परीक्षाएं प्रभावित होंगी। इस तरह जिन भी सेमेस्टर की परीक्षाओं की तारीखों को बदला जाएगा, वे विद्यार्थी परेशान होंगे।

मैनिट

विद्यार्थियों को टेक्नोलॉजी में सक्षम बनाने तैयार होगी 5जी यूज केस लैब

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मैनिट) को भारत सरकार के दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने 5जी यूज केस लैब तैयार करने के लिए चुना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय मोबाइल कांग्रेस- 2023 में मैनिट के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट को 5जी यूज केस लैब से सम्मानित किया। यह लैब विभिन्न सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों में 5जी के विकास एवं अभिनव प्रयोगों की सुविधा प्रदान करेगी। इस लैब को स्टेब्लिश करने में जो खर्च आएगा, उसमें से 80 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार उठाएगी। इसके अलावा 20 प्रतिशत राशि मैनिट उठाएगा। बताया गया कि इस लैब को स्टेब्लिश करने में लगभग एक करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। लैब का उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षा जगत के लोगों को 5जी टेक्नोलॉजी में अधिक सक्षम और सक्रिय भागीदार तो बनाया जाएगा साथ ही लाइफ साइंस एंड हेल्थकेयर पर रिसर्च शुरू किया जाएगा।

दृष्टि एवं श्रवण बाधित विद्यालय का छात्रावास बंद होने का मामला

आयोग ने सामाजिक न्याय विभाग को दिए जांच के निर्देश, रिपोर्ट भी तलब

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल जिले के चार मामलों में संज्ञान लिया है। पहला मामला दृष्टि एवं श्रवण बाधित विद्यालय का छात्रावास पांच माह से बंद होने का है। मामले में आयोग ने सचांलक, सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग, भोपाल को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही की गई कार्यवाहीध्व्यवस्था के संबंध में प्रतिवेदन तीन सप्ताह में मांगा है।

दरअसल, भोपाल जिले के शाहजहांनाबाद, परी बाजार में स्थित शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधित उमा विद्यालय का छात्रावास पिछले पांच माह से बंद है। नए सत्र की शुरूआत से ही छात्रावास बंद होने के कारण स्कूली छात्राओं को अपने रिश्तेदार के यहां रहने पड़ रहा है या फिर अपडाउन कर स्कूल पहुंच रहे है। जो छात्र पहले से रह रहे थे, उन्हें भी बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। वहीं कुछ ऐसे बच्चे भी है जिन्होंने स्कूल आना बंद कर दिया है।

इन मामलों में भी जवाब तलब

आयोग ने भोपाल जिले के बजरिया इलाके में लिव-इन में रह रही एक युवती के साथ दुराचार मामले में पुलिस कमिश्नर, भोपाल से प्रकरण की जांच के निर्देश दिए है। इंद्रपरी सेक्टर-सी इलाके में सीवेज चैंबर ओवरफ्लो एवं जाम की समस्या सामने आई है। जिसके कारण नाली का गंदा पानी इलाके के घरों में भर रहा है। मामले में आयोग ने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिए हैं कि जांच कराकर की गई कार्यवाही के संबंध में प्रतिवेदन भेजा जाए। इसके साथ ही हमीदिया अस्पताल के डॉक्टर द्वारा छिंदवाड़ा से ऑपरेशन कराने आई 19 वर्षीय युवती को 14 दिन बंधक बनाकर उसके साथ दुराचार करने के मामले में आयोग ने पुलिस कमिश्नर को जांच कराकर आरोपी की गिरफ्तारी में हो रहे विलम्ब एवं उक्त संबंध में अब तक की गई वैधानिक कार्यवाही का जवाब 15 दिन में मांगा है।

जिज्ञासा 2023में मिठी के छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

मिठी गोबिन्दराम पब्लिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने 7वाँ मेगा फेस्टिवल जिज्ञासा-2023 अंतर विद्यालयीन प्रतियोगिता की चित्रकला एवं क्वीज़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर ट्रॉफी एवं मेडल हासिल किया।

विद्यालय के छात्र कुनाल रामनानी ने चित्रकला प्रतियोगिता एवं वैदिक गुप्ता तथा अक्षत शर्मा ने क्वीज़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्यालय शिक्षिका हुमा खान को छात्रों के मार्गदर्शन करने हेतु पुरस्कृत किया गया।

संस्था उपाध्यक्ष हीरो ज्ञानचंदानी, सचिव एसी साधवानी, सह-सचिव केएल रामनानी, वरिष्ठ सदस्य घनश्याम बूलचंदानी, अकादमिक डारेक्टर गोपाल गिरधानी, प्रशासनिक अधिकारी, भगवानदास बाबानी, विद्यालय प्राचार्य अजय बहादुर सिंह, उप.प्राचार्या आशा चंगलानी एवं शिक्षकगण ने जिज्ञासा.2023 में सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर विजयी छात्रों को बधाई दी।

उप प्रधानमंत्री आडवानी का संतनगर में मना जन्म दिन

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संस्कार विद्यालय में पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवानी का जन्म दिन मनाया गया। म.प्र. आवास संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, संस्कार संस्था के सचिव बसंत चेलानी, कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव, भारत रक्षा मंच, संत हिरदाराम नगर के अध्यक्ष मुकेश ग्वालानी, नीतू मेहतानी लाईब्रेरी के संचालक कन्हैयालाल मोटवानी,विष्णु बंसल, श्री ओम असनानी ने आडवानी को जन्मदिवस की बधाई दी एवं उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की।

इस अवसर पर वासवानी ने कहा कि लालकृष्ण आडवानी श्री राम मंदिर निर्माण के प्रेरणा स्त्रोत थे और श्री राम मंदिर बनना उनका सपना था जो आज नरेन्द्र मोदी की सरकार में साकार हुआ और जिसका दिनांक 22 जनवरी 2024 को उद्घाटन भी होगा।

एमपीपीएससी-19 नवंबर तक होंगे माइनिंग इंस्पेक्टर भर्ती के लिए आवेदन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) की माइनिंग इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा 2023 के लिए ऑनलाइन आवेदन फॉर्म 19 नवंबर दोपहर 12 बजे तक ही भरे जाएंगे। त्रुटि सुधार 21 नवंबर को होगा। आयोग इस भर्ती अभियान के जरिए राज्य में माइनिंग इंस्पेक्टर के कुल 19 पदों को भरेगा। बैचलर डिग्री रखने वाले उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं। माइनिंग इंस्पेक्टर पद के लिए 1 जनवरी 2024 को उम्मीदवार की न्यूनतम उम्र 21 साल और अधिकतम उम्र 40 साल होनी चाहिए। अधिकतम आयु सीमा में आरक्षित वर्ग को एमपी गवर्नमेंट के नियमों के अनुसार छूट मिलेगी।

वहीं शैक्षणिक योग्यता के लिए मान्यता प्राप्त किसी संस्थान या यूनिवर्सिटी से साइंस या जियोलॉजी विषय में बैचलर डिग्री का होना जरूरी है। इसके साथ ही माइनिंग मेकेनिक्स में डिप्लोमा प्राप्त हो। जनरल या अनारक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को आवेदन शुल्क 540 रुपए और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी- एनसीएल और ईडब्ल्यूएस (एमपी डोमिसाइल) के लिए आवेदन शुल्क 290 रुपए है। आवेदन शुल्क का भुगतान उम्मीदवारों को ऑनलाइन मोड में करना होगा।

मेट्रो एंकर

‘दीपावली पर्व कैसे मनाएं’ सेमीनार का आयोजन

दीपावली का आशय ही खुशियां बांटना है : गेहानी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

साधु वासवानी स्कूल में आज दीपों का पर्व दीपावली कैसे मनाएं सेमीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत परंपरागत तरीके से हुई।

शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने कहा कि पटाखों से दूर रहेंगे पटाखों पर व्यर्थ के पैसे खर्च करने से अच्छा है किसी गरीब की मदद करें ताकि उनके घरों में भी दिये जल सकें तभी दीपावली पर्व मनाना सार्थक होगा। जीव सेवा संस्थान के सचिव महेश दयारामानी ने कहा कि यह विद्यालय संतों की कृपा से बना हुआ है और उनकी कृपा से ही निरंतर प्रगति भी कर रहा है। कार्यक्रम में सुधार सभा के सचिव वासदेव मोतियानी, समाजसेवी श्री कन्हैयालाल रामनानी जनक थद्धानी ने दीपोत्सव की बधाई दी। विद्यार्थियों द्वारा मटकी, थाली, रंगोली और दीया सजाओं कार्यक्रम प्रतियोगिता रखी गई जिसमें विद्यार्थियों ने बहुत ही सुंदर दीये, मटकी, थाली व रंगोली सजाई।

दीपावली रंगोली प्रतियोगिता हुई

हिरदाराम नगर। ज्वाला कान्वेंट स्कूल में दीपावली के अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने बढ़ चढ़कर की हिस्सा लिया। स्कूल के प्राचार्य राज बतरा ने बताया कि रंगोली प्रतियोगिता का उद्देश्य अपनी भारतीय संस्कृति को जीवित रखना चाइनीस पेपर वाली रंगोली से दूर रहकर बच्चे अपने हाथों से घर के आंगन में रंगोली बनाकर मां लक्ष्मीजी का स्वागत करें। इस अवसर पर स्कूल की शिक्षिकाओं ने दीपावली पर रंगोली बनाने के महत्व को बच्चों को विस्तार से बताया इस रंगोली प्रतियोगिता में अव्वल रहे बच्चों को पुरस्कृत किया गया ।

शराब का अवैध कारोबार करने वालों पर शिंकजा कसा

भोपाल। शराब का अवैध कारोबार करने वाल 49 लोगों के खिलाफ आबकारी विभाग ने कार्रवाई की है। इनमें ढ़ाबा संचालक भी शामिल है, जो शराब का अवैध कारोबार करते पाए गए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार आबकारी विभाग ने गुरुवार बैरागढ़, लालघाटी क्षेत्र में नागर ढाबा, किंग ढाबा,शिवहरे ढाबा, जीत ढाबा,मन्नू ढाबा, एवर ग्रीन होटल,थाइम रेस्टोरेंट में दबिश दी थी। यहां अंग्रेजी व देशी शराब की बोतलें मिली है। वहीं हरभजन, रजनी, राहुल और राम सिंह को भी यह कारोबार करते पकड़ा गया। विभाग ने महिला सहित चार तस्करों पर आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

इलेक्शन डायरी

■ राजेश सिरोठिया

खुरई में कांग्रेस ललितपुर के भरोसे

सागर जिले की खुरई विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस ललितपुर के सुजानसिंह बुंदेला परिवार के भरोसे चुनाव लडऩे को विवश हो गई है। बुंदेलखंड के कद्दावर नेता और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेहद करीबी समझे जाने वाले सूबे के नगरीय विकास मंत्री भूपेंद्र सिंह ठाकुर के खिलाफ कांग्रेस के सामने पहले प्रत्याशी की संकट था और अब प्रचारकों का। इलाके के दबंग कांग्रेस नेता अरूणोदय चौबे सही मायनों में भूपेंद्र सिंह के खिलाफ सबसे मुफीद प्रत्याशी थे। लेकिन उनके खिलाफ चल रहे आपराधिक मुकदमें और एक मामले में सजा उनकी उम्मीदवारी में आड़े आ गई। इसके बाद कांग्रेस ने ललितपुर के मशहूर कांग्रेसी नेता स्व. सुजान सिंह बुंदेला के बेटे चंद्रभूषण सिंह उर्फ गुड्डूराजा पर हाथ डाला। उत्तरप्रदेश के ललितपुर के इस नेता की बसपा छुड़वाकर मध्यप्रदेश कांग्रेस में एंट्री कराई गई। कमलनाथ ने सोचा कि गुड्डूराजा शायद भूपेंद्र सिंह को कड़ी चुनौती दे सकेंगे। लेकिन पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए गुड्डूराजा ने भूपेंद्र सिंह के खिलाफ चुनावी समर में उतरना बंद कर दिया। कुछ कांग्रेसियों ने यह हवा भी बनाई कि गुड्डूराजा को चुनाव लडऩे से मना कराने के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से दवाब डलवाया है। लेकिन गुड्डूराजा इन अफवाहों को खारिज करते हैं। अब गुड्डूराजा ने सागर में डेरा डाल लिया है और ललितपुर से से सागर जिले के मालथौन इलाके की कांग्रेस नेत्री रक्षा राजपूत के समर्थन में प्रचार की बागडोर संभाल रखी है। भूपेंद्र सिंह जहां खुरई इलाके के विकास के दम पर मैदान में मजबूती से मैदान में डटे हैं और रिकार्ड मतों से जीत के जतन में जुटे हैं, वहीं रक्षा राजपूत चुनावी समर में गुड्डूराजा के भरोसे खुरई की जंग लड़ रही हैं।

मप्र के चुनाव बनाम चंद्रकांता संतति

मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और भाजपा के कार्यकर्ता भले ही आरपार के मूड में हैं लेकिन दोनों ही दलों के प्रमुख नेताओं ने गैरों की तो छोड़िए अपनों के ही खिलाफ अंदरूनी जंग छेड़ रखी है। वजह है कि दोनों ही दलों में आत्मविश्वास से उपजी जीत की आत्ममुग्धता है। उन्हें लगता है कि जब जीत ही रहे हैं तो पार्टी के अपने प्रतिव्दंदी को क्यों मैदान में जंग जीतने दी जाए। इसलिए दोनों ही प्रमुख दलों में अपने विरोधियों को गुपचुप निपटाने का खेल भी चल रहा है। एक दल के कुछ नेताओं को लगता है कि उनकी पार्टी का युवा तुर्क आगे चलकर उनके बेटे को खतरा बनेगा तो भला उसे अभी ही क्यों नहीं निपटा दिया जाए। मालवा क्षेत्र के दो से तीन युवा नेता इसी के चलते राडार पर हैं तो विंध्य और महाकौशल में भी कुछेक नेता भी भितरघात की जद में हैं। इधर दूसरी पार्टी के कुछ नेताओं ने आलाकमान व्दारा मैदान में उतारे गए नेताओं को परेशानियों के गर्त में धकेलने की मुहिम चला रखी है। इनमें कुछ कद्दावर नेता तो ऐसे हैं जिन्होंने साम दाम दंड के जरिए साजिशों के जाले को साफ करने में अभी तक कामयाबी हासिल कर ली है। लेकिन दिल्ली से सीधे मैदान में उतारे गए कुछ नेताओं पर छाए मुसीबतों के बादल छंटने का नाम नहीं ले रहे। हालांकि इसकी कुछ वजह उनकी खुद की करतूतें भी बनी हैं। इनकी समस्या यह है कि विधायक का चुनाव हारे तो फिर उनकी सांसद टिकट की दावेदारी का क्या होगा?

कहां हैं अरूण यादव?

जहां एक तरफ राहुल गांधी ने चुनावों के दौरान ओबीसी यानि अन्य पिछड़ा वर्ग का राग अलाप रखा है वहीं उनकी पार्टी के कई ओबीसी नेता टिकटों के वितरण से लेकर चुनावी प्रचार मुहिम में हाशिए पर धकेलकर रखे गए हैं। निमाड़ के प्रभावी यादव नेता अरूण यादव इसकी जीती जागती मिसाल हैं। यादव 2018 के चुनावों से छह महीने पहले तक प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष थे। उन्होंने करीब चार साल में पूरे प्रदेश को नापते हुए ओबीसी के बीच कांग्रेस की पैठ बनाने की कोशिश की थी। लेकिन जहां भाजपा 2003 से ओबीसी की राजनीतिक पटरी पर सरपट दौड़ रही है, कांग्रेस ने यादव को घर बिठा दिया है। उन्हें 2018 में बलि का बकरा बनाकर बुधनी में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के सामने बांध दिया गया तो इस बार कोई उनका नामलेवा भी नहीं है। राहुल गांधी के कहने पर वह थोड़ा सक्रिय हुए लेकिन ब काम नहीं मिला तो घर बैठ गए। चुनावी प्रचार के दौरान उनकी सक्रियता कसरावद में अपने भाई सचिन यादव तथा निमाड़ के कुछेक क्षेत्रों में प्रचार तक सीमित रह गई। चुनाव प्रचार चरम पर है और अरूण यादव हल्की फुल्की राजनीति करने के साथ खेती बाड़ी के काम पर लगे हैं। कमोबेश यही हाल कांग्रेस नेता सुरेश पचौरी के हैं। प्रियंका गांधी के हस्तक्षेप के बाद उन्होंने दमोह, सागर, इंदौर और सीहोर में कांग्रेस के लिए प्रचार किया है। कुल मिलाकर देखें तो मप्र के चुनाव में कांग्रेस कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के इर्दगिर्द सिमटकर रह गई है।

500 कर्मचारियों ने सीखी चुनाव संबंधी बारीकियां

भोपाल। विधानसभा चुनाव में किन–किन बातों का ध्यान रखना है, इससे जुड़ी बारिकियां करीब 1500 कर्मचारियों ने सीखी है। अब वोटिंग के चंद दिन ही बाकी है। ये कर्मचारी पूरी तरह तैयार है। 17 नवंबर को वोटिंग होनी है, जिसमें ये सीखी हुई बातों के आधार पर सफल निर्वाचन कराने में जुट गए हैं। असल में गुरुवार को इन कर्मचारियों को दिए जाने वाले प्रशिक्षण का अंतिम दिन था। उल्लेखनीय है कि भोपाल जिले से विधानसभा चुनाव में लगभग तीन हजार कर्मचारियों को ड्यूटी से पहले ईवीएम, माक पोल, मतदान, मतदान सामग्री लेने से लेकर जमा करने तक का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अंतिम प्रशिक्षण में कुल एक हजार 84 कर्मचारियों के लिए जगह आवंटित की गई थी। इनमें से कुल एक हजार 443 उपस्थित हुए और 41 अनुपस्थत रहे। जबकि 41 अतिरिक्त कर्मचारी भी शामिल हुए। इस तरह कुल 1477 कर्मचारी शामिल हुए, जबकि अनुपस्थित 41 कर्मचारियों के खिलाफ अब कार्रवाई की जाएगी।

नई नई-सी है कुछ तेरी रह्गुज़र फिर भी...

चुनाव 2023

चेहरा एक अदद

■ आशीष दुबे

'ये तो चेहरे का फक़त अक्स है, तस्वीर नहीं..इस पर कुछ रंग अभी और चढ़ाते रहिए' मप्र के विधानसभा चुनाव में रोज उभरने वाले कुछ खास व गाढ़े चित्रों के पीछे ऐसे सियासी चित्रकारों की कूची भी काम करती है, जो चित्रों के रंगों को चटख बनाती है। सत्ता में जमी भाजपा हो या सत्ता पाने को बेताब कांग्रेस, दोनों शिविरों में चुनिंदा ऐसे चेहरे हैं, जो सोते-जागते चुनावी कैनवास में रंग उड़ेल रहे हैं। कुछ मैदान में नजर आते हैं, कुछ वॉर रूम में। चेहरे के पीछे चेहरा तलाशने की कोशिश में आज भाजपा के नए संवाद प्रमुख *आशीष अग्रवाल...*

औचक, अनपेक्षित या *वाइल्ड कार्ड एंट्री* सिर्फ कांग्रेस में नहीं बल्कि भाजपा में भी होती रहीं हैं, लिहाजा आशीष अग्रवाल ग्वालियर से भोपाल में बतौर मीडिया प्रभारी नमूदार हैं। कांग्रेसी केके मिश्रा की तरह वे भी सजीले हैं, लेकिन पारंपरिक परिधान में। मुखरता के बजाए वे मितभाषिता से काम लेते हैं, वे कहने से ज्यादा *समझने* की कोशिश में दिखते हैं। हालांकि उनके बाहरी रूप से किसी सौम्य व्यापारी या कभी किसी कार्पोरेट शख्स जैसा गुमां भी होता है लेकिन भीतर से वे सतर्क सियासतदां हैं। सत्ताधारी भाजपा में श्यामला हिल्स से लेकर भाजपा के सपाट मैदानी मुख्यालय तक खुद को स्वीकार्य बनाने की उनकी कोशिशें चार महीने में कामयाब नजर तो आ रही हैं लेकिन चुनाव के नतीजे ही उनकी असल कामयाबी को रेखांकित करेंगे। फिलहाल भाजपा मुख्यालय की जमावट में संवाद प्रमुख के ओहदे पर चुनाव के ठीक पहले आकर उन्होंने अपने समकालीनों-सीनियर्स को चौंकाया है तो खुद को भी बहुत महत्वपूर्ण पाया है। माना जाता है, उन्हें नरेंद्र सिंह तोमर की पहल तथा पारिवारिक रिश्तों के चलते भोपाल में प्रतिष्ठित किया गया, अब वे वीडी के लिए भी उतने ही अपरिहार्य हैं।

बहरहाल, इस वक्त, जबकि भाजपा को मप्र में बेहद कड़े चुनावी मुकाबले में माना जा रहा है, उसका रास्ता कभी आसान तो कभी रपटीला या चढाई भरा नजर आता है, तब अग्रवाल के अपने चुनावी कैलकुलेशन व आकलन हैं, वे कहते हैं-'भाजपा तो 130 के बाद वाले *प्लस* की लड़ाई लड़ रही है, हमारे केंद्र व राज्य के नेताओं के लश्कर इसे आसान बना रहे हैं।' दूसरी तरफ अग्रवाल के बढ़ते असर पर भाजपा मुख्यालय के दालान में कई कानाफूसियां भी छिड़ती हैं, जो यहां से 'बंसल-वन' के एस्केलेटर पर पहुंचकर चढ़ती और *उतरती* हैं। बावजूद आशीष अभी अविचल हैं, उन्होंने भाजपा मुख्यालय से कुछ दूर, जिस तरह बहुमंजिला इमारत बंसल-वन में अपनी 'नईदुनिया' बसाई है, वह इसका उदाहरण हैं। हालांकि फिराक ने कहा है- *'हजार बार जमाना इधर से गुजरा है, नई-नई सी है कुछ तेरी रहगुज़र फिर भी..।'*

त्योहर के पहले विस चुनाव में प्रचार की सरगर्मी तेज

कांग्रेस नेताओं के बढ़े दौरे-सभाएं, राहुल प्रियंका भाजपा के निशाने पर आए

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कांग्रेस के केंद्रीय नेताओं की मप्र में बढती सभाओं के चलते भाजपा के राजनीतिक हमलों में अब राहुल और प्रियंका गांधी केंद्र में आ गये हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपनी सभी सभाओं में उन्हें निशाने पर लेना शुरू कर दिया है। गौरतलब है कि प्रियंका ने भी शिवराज पर कटाक्ष किया था कि रिश्ते निभाने से बनते हैं, सिर्फ कहने भर से कोई मामा नहीं बन जाता। आज शिवराज व राहुल मप्र में कई सभा कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में सुसनेर, कोलारस, शिवपुरी, करैरा, भाण्डेर, सेंवड़ा, डबरा, भितरवार, ग्वालियर दक्षिण और ग्वालियर पूर्व समेत 10 चुनावी सभाओं को संबोधित किया। इस दौरान इंडी गठबंधन के सहयोगी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर हमला बोला। मुख्यमंत्री ने नीतीश कुमार के विधानसभा में अमर्यादित बयान पर कहा कि, बहन-बेटियों को जो इस तरह से बेइज्जत करें, उनके सम्मान के साथ खिलवाड़ करें ऐसे व्यक्ति, मुख्यमंत्री रहने के लायक नहीं हैं, उन्हें पद छोड़ देना चाहिए, माफी मांगने से काम नहीं चलेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि हैरानी की बात तो ये है कि, नीतीश के इस बयान पर इंडी गठबंधन के किसी नेता या कांग्रेस ने कोई विरोध नहीं किया।

120 करोड़ में भी नहीं बिके लोधी : नाथ

कमलनाथ ने सागर व छतरपुर में सभा कीं। उन्होंने कहा कि सभी को याद रखना होगा कि चुनाव प्रत्याशी का केवल नही है, यह प्रदेश के भविष्य का है बंडा की सभा में उन्होंने कहा कि तरवर लोधी को भाजपा से 20 करोड़ रू. का आफर मिला था, परंतु उन्होंने 20 नहीं, बल्कि 120 करोड़ भी दे दो तब भी नहीं बिकूंगा, यह कहकर उस आफर को ठुकरा दिया, यह इनकी ईमानदारी है। ऐसी ईमानदारी वाली बुंदेलखंड की भूमि को मैं प्रणाम करता हूं। नाथ ने कहा कि मैं जब केंद्र में मंत्री था तो हमने 8 हजार करोड़ का बुंदेलखंड पैकेज दिया था परंतु यहां तो एक कौड़ी भी खर्च नहीं हुई यह भी भ्रष्टाचार का एक माध्यम भाजपा के लिए बन गया।

निर्मला की *फाइव जी* पर कांग्रेस की चुटकी

अभा कांग्रेस के प्रवक्ता, गुरदीप सिंह सप्पल ने पत्रकार वार्ता में कहा कि देश की वित्तमंत्री भोपाल में थीं तो जैसा कि मोदी को शौक है, बड़ी-बड़ी बातों का, वैसा ही उन्होंने भी गुडविल, गुड गवर्नेंस और 5-जी की बड़ी-बड़ी बातें मोदी गवर्नमेंट के लिए की। सप्पल ने कहा कि दूसरी तरफ अखबार उठा कर देखें तो हमने 5-जी की सफलता को देखा, हमने देखा कि कैसे मोदी सरकार खाद को किसानों तक पहुंचने में सफल हो रही है। सप्पल ने सरकार की असफलता को भी फाइव जी में गिनाया।

आज फडणवीस की सभाएं: भाजपा नेता आज विभिन्न जिलों के चुनावी प्रवास पर हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सरमा अनुपपुर, मंडला, बालाघाट व जबलपुर, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर एवं पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा भिण्ड, दतिया, शिवपुरी व मुरैना, केन्द्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण इंदौर, कैलाश विजयवर्गीय आगर, शाजापुर, महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस बुरहानपुर, ज्योतिरादित्य सिंधिया कटनी, सतना, सागर व रायसेन, प्रहलाद पटेल विदिशा, रायसेन, नरसिंहपुर, उत्तरप्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य टीकमगढ़ की विधानसभाओं में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में चुनाव प्रचार करेंगे।

उत्तर में उतरी महाराज की आरती

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उत्तर विधानसभा में प्रत्याशी आलोक शर्मा के पक्ष में रोड शो किया तो बकौल भाजप, श्रीमंत के स्वागत के लिए भारी जनसैलाब उमड़ा। जनता ने पूरे रोड शो के दौरान फूलों की बौछार और भव्य आतिशबाजी कर स्वागत किया गया। महिलाएं अपने घरों से थाली सजाकर लाईं थीं। कई स्थानों पर महिलाओं ने महाराज सिंधिया को तिलक लगाकर उनकी आरती उतारी। सिंधिया भाजपा उम्मीदवार आलोक शर्मा के साथ रथ पर सवार होकर शाहजहांनाबाद चौराहा से रेजिमेंट रोड होते हुए टीलाजमालपुरा के दुर्गा चौक तक पहुंचे। रोड शो शुरू करने से पहले केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने काली मां के मंदिर पहुंचकर दर्शन किये। विभिन्न समाजों के पदाधिकारियों और रहवासियों ने मंच लगाकर स्वागत किया।

राजधानी का घमासान

कृष्णा के लिए पहुंची निर्मला

केंद्र सरकार में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्रमें पार्टी प्रत्याशी कृष्णा गौर के समर्थन में महिला कार्यकर्ताओं से संवाद कर उनसे भारतीय जनता पार्टी को हर बूथ पर जिताने के लिए जुट जाने का आव्हान किया। महिला कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए निर्मला ने कहा कि गोविंदपुरा विधानसभा की महिला कार्यकर्ता सौभाग्यशाली हैं कि उनकी प्रत्याशी भी महिला हैं और पिछले कार्यकाल में महिला सशक्तिकरण के साथ-साथ नागरिक सुविधाओं में क्षेत्र का सर्वोत्तम विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा दी गयी विकास की गारंटी के साथ हमें जनता के बीच में जाना है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार ने जो विकास के काम किए हैं वह अपने आप में कई अन्य राज्यों के लिए विकास के नए और उत्कृष्ट मापदंड है।

सबनानी के लिए सरमा

दक्षिण पश्चिम विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी भगवानदास सबनानी ने नेहरू नगर क्षेत्र में पलकमति परिसर, कोपल स्कूल के पीछे, डी सेक्टर, पेट्रोल पंप के पीछे इत्यादि क्षेत्रों में सघन जनसंपर्क किया। असम के सीएम भी प्रचार के लिए पहुंचे। इस दौरान जन संवाद में उन्होंने कहा कि दक्षिण पश्चिम विधानसभा को विकास का मॉडल बनाकर प्रस्तुत करना मेरा लक्ष्य है। सबनानी ने दोपहर जिला न्यायालय पहुंचे जहां अधिवक्ताओं से मुलाकात की।

देश को पहली किन्नर विधायक और पहली महापौर मप्र से ही मिली

भोपाल। *मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव से जुड़े अनेक किस्से आज भी याद किए जाते हैं। समय-समय पर मध्य प्रदेश की राजनीति में अनेक तरह के किरदारों ने अपनी भूमिका निभाई है। 1994 में देश में किन्नरों को मतदान का अधिकार मिला, लेकिन देश को पहली किन्नर विधायक शबनम मौसी (1998) और पहली महापौर कमला जान मप्र से ही मिली थीं। मध्यप्रदेश ही ऐसा राज्य जहां से दो बार महापौर को जनता ने चुना और नगर निगम का शीर्ष नेतृत्व दिया। इतना ही नहीं वर्ष 2018 में तो अंबाह सीट सहित मप्र में पांच किन्नरों ने चुनाव मैदान में अपनी ताल ठोककर भाजपा-कांग्रेस, बसपा जैसे राष्ट्रीय दलों को सीधी चुनौती दे दी थी। इस बार प्रदेश में करीबन 2533 उम्मीदवार चुनावी मैदान में है। इनमें सबसे ज्यादा संख्या पुरुषों की है. चुनाव में पुरुष उम्मीदवार 2,280 हैं। इसके अलावा महिला उम्मीदवार 252 हैं। इसके अलावा एक थर्ड जेंडर यानि किन्नर वर्ग को उम्मीदवार बनाया है। बड़ा मलहरा से आम आदमी पार्टी ने चंदा दीदी को प्रत्याशी बनाया है।*

1994 में किन्नर वर्ग को लोकतंत्र का हिस्सेदार बनाया: *हमेशा देश की राजनीति में हाशिए पर किन्नर वर्ग को आजाद भारत में काफी सालों बाद मतदान का अधिकार दिया गया। जिसके बाद से चुनाव के जरिए लोकतंत्र में इस वर्ग के लोगों की वजूद की बात होने लगी। साल 1994 था, जब किन्नर वर्ग को लोकतंत्र का हिस्सेदार बनाया गया। इसके तहत इन्हें मतदान का अधिकार मिला। जिसके बाद से इस वर्ग की लोकतंत्र में हिस्सेदारी सुनिश्चित की गई। हालांकि अब भी भारतीय समाज में किन्नर, स्त्रियों की अपेक्षा और भी ज्यादा हाशिए पर है, क्योंकि उनके सामने अभी तक अपनी पहचान और सम्मान का ही संकट है। इस तबके के लिए राजनीति में हाथ आजमाना और भी बड़ी बात है।*

मप्र में जनवरी में थे 1432 थर्ड जेंडर मतदाता, अब संख्या हो गई 1373: *मध्यप्रदेश में भले ही पुरुष और महिला मतदाताओं की संख्या में बड़ी हो, लेकिन थर्ड जेंडर मतदाताओं की संख्या में कमी आई है। मध्यप्रदेश में नौ महीने पहले जनवरी में कुल एक हजार 1432 थर्ड जेंडर मतदाता थे, लेकिन अब अक्टूबर में 59 थर्ड जेंडर मतदाता कम होकर इनकी संख्या एक हजार 1373 हो गई है। यानी नौ महीने में चार प्रतिशत थर्ड जेंडर मतदाता घट गए हैं। एक थर्ड जेंडर मतदाता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया है कि मध्यप्रदेश में थर्ड जेंडर की संख्या लगभग 30 हजार हैं, लेकिन वह थर्ड जेंडर की पहचान के साथ मतदाता सूची में शामिल नहीं होना चाहते हैं। यह उनकी गोपनीयता का मामला होता है इस वजह से ज्यादा जोर भी नहीं दिया जाता है।*

सुविचार

``जीवन में प्रयास सदैव कीजिए, लक्ष्य मिले या अनुभव दोनों ही अमूल्य हैं।''

-अज्ञात

संपादकीय

आरक्षण की सियासत

देश में आरक्षण का मामला इस बार नये कलेवर में सामने आ रहा है। बिहार इसका मुख्यकेंद्र बना हुआ है। हाल में यहां जातिगत सर्वे किया गया और इसकी रिपोर्ट का दूसरा हिस्सा सार्वजनिक किए जाने के ठीक बाद जिस तरह से आरक्षण सीमा बढ़ाने की मांग हुई और तत्काल बिहार कैबिनेट ने नए कोटा बिल को मंजूरी दे दी, वह अप्रत्याशित तो नहीं कहा जा सकता लेकिन उसे उचित भी नहीं कहा जा सकता है। यह सही है कि कास्ट सर्वे रिपोर्ट से जुड़े शिक्षा और आर्थिक सर्वेक्षण वाले हिस्से ने भी कई चौंकाने वाले तथ्य जाहिर किए हैं। राज्य के कुल 2.76 करोड़ परिवारों में से 63.74 फीसदी ऐसे पाए गए, जिनकी मासिक कमाई दस हजार रुपये भी नहीं है। यह बात भी अब आधिकारिक तौर पर स्पष्ट हो गई है कि इस आर्थिक रूप से कमजोर हिस्से का बड़ा भाग एससी-एसटी व ओबीसी तबकों से आता है। लेकिन इसके बावजूद जिस हड़बड़ी में इन समुदायों के लिए 65 फीसदी आरक्षण का प्रस्ताव आगे बढ़ा दिया गया है, वह आगे चलकर कई तरह की जटिलताओं को जन्म दे सकता है। सामान्य स्थितियों में यह बात सही है कि शिक्षा संस्थानों में और सरकारी तंत्र में भी आबादी के सभी हिस्सों का समुचित प्रतिनिधित्व होना चाहिए। यह लक्ष्य ऐसा नहीं है, जिसे किसी जादू की छड़ी के जरिए चटपट हासिल कर लिया जाए। किसी भी समाज के वहां तक पहुंचने की प्रक्रिया जटिल होती है और उसमें समय भी लगता है। अगर आरक्षण को ही लिया जाए तो मौजूदा राजनीतिक नेतृत्व के एक हिस्से ने इसे हर बीमारी का इलाज मान लिया लगता है। हालांकि इसके साइड इफेक्ट हमें महाराष्ट्र समेत तमाम राज्यों में दिखते रहे हैं, जहां नए-नए और अपेक्षाकृत ताकतवर समूह भी खुद को वंचितों की श्रेणी में रखते हुए आरक्षण की मांग करने लगते हैं। इन मांगों का फायदा उठाना अलग बात है और समाज का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने की दिशा में आगे बढ़ना बिल्कुल अलग। राजनीतिक नेतृत्व अगर इन दोनों के बीच फर्क करते हुए आगे बढ़ सके तो यह दूरगामी नजरिए से सबके हित में होता है। अफसोस की बात है कि बिहार में जिस तरह की हड़बड़ी दिखाई गई, उसके पीछे चुनावी लाभ हासिल करने की मंशा ही ज्यादा प्रतीत होती है। अगर चुनावी हितों से अलग कसौटियों पर देखें तो जातीय सर्वे से निकले आंकड़ों को नीति का आधार बनाने से पहले कई और स्तरों पर परखे जाने की जरूरत है। उदाहरण के लिए, नीति आयोग का मल्टी डाइमेंशनल पॉवर्टी इंडेक्स बिहार में गरीबी का प्रतिशत 51.91 बताता है। यह कास्ट सर्वे के आंकड़े (63.74 फीसदी) से इस मायने में भी अलग है कि इसमें कई इंडिकेटर्स को आधार बनाया गया है जबकि कास्ट सेंसस डेटा सिर्फ मंथली इनकम पर आधारित है। बहरहाल,यह बात सभी जानते हैं कि आरक्षण पर 50 फीसदी की अधिकतम सीमा की सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक अभी लागू है। ऐसे में बिहार विधानसभा से प्रस्ताव पारित करने का व्यवहार में कोई अर्थ नहीं है। इसके पीछे का मकसद सिर्फ यही समझ आता है कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिये बिहार में मतदाताओं के बीच खास तरह का संदेश भेज दिया जाए। चूंकि बिहार के सीएम ही विपक्षी दलो के गठबंधन इंडिया के सूत्रधार भी हैं तो वह इसमें कई सियासी फायदे देख रहे है।

कविता

खेल रहे हैं सारे !

– कृष्णेन्द्र राय

है बढ़ानी सीटें ।
चल रहा है काम ।।
करने को कमाल अब ।
कोशिशें तमाम ।।
खेल रहे हैं सारे ।
अपना अपना खेल ।।
थोड़ा थोड़ा अपनो पर ।
कस रहे नकेल ।।
हो रहा व्यवहार ऐसा ।
जैसे चमत्कार ।।
बंद है तकरार अभी ।
करने को उपकार ।।
मच रही है धूम अब ।
लाने को बहार ।।
है इच्छा कुछ ऐसी ।
ना फिसले आधार ।।

आज का इतिहास

- **1675** - गुरु गोबिंद सिंह को सिखों का गुरु 11 नवंबर 1675 को नियुक्त किया गया था।
- **1768**- हैदराबाद के तीसरे निजाम/शासक सिकंदर जाह का जन्म 11 नवंबर 1768 को हुआ था।
- **1872** - उस्ताद अब्दुल करीम खान एक भारतीय शास्त्रीय गायक थे, जिनका जन्म 11 नवंबर 1872 को हुआ था।
- **1888** -जीवत्रम भगवानदास कृपलानी एक भारतीय राजनीतिज्ञ थे, जिन्हें विशेष रूप से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्षता के लिए जाना जाता था। इनका जन्म 11 नवंबर 1888 को हुआ था।
- **1889** - स्वतंत्रता सेनानी जमनालाल बजाज का जन्म 11 नवंबर 1889 को हुआ था।
- **1911**- तिरुवैयारु पंचपकेसा राजलक्ष्मी दक्षिण भारतीय सिनेमा में पहली तमिल और तेलुगु फिल्म की नायिका, महिला निर्देशक और निर्माता थीं। जिनका जन्म 11 नवंबर 1911 को हुआ था।
- **1924** - इंद्रप्रसाद गोरधनभाई पटेल एक भारतीय अर्थशास्त्री और कैरियर सिविल सेवक थे, जिन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक के चौदहवें गवर्नर के रूप में कार्य किया। जिनका जन्म 11 नवंबर 1924 को हुआ था।
- **1926** - बदरुद्दीन जमालुद्दीन काज़ी एक भारतीय अभिनेता थे जिन्होंने लगभग 300 फिल्मों में अभिनय किया। इनका जन्म 11 नवंबर 1926 को हुआ था।
- **1936** - प्रसिद्ध हिंदी साहित्यकार कैलाश बाजपेयी का जन्म 11 नवंबर 1936 को हुआ था।
- **1936** - एल्डा सिन्हा, एक पूर्व भारतीय अभिनेत्री, जिन्होंने हिंदी, बंगाली और नेपाली फिल्मों में काम किया है। इनका जन्म 11 नवंबर 1936 को हुआ था।
- **1943** - भारतीय परमाणु भौतिक विज्ञानी और मैकेनिकल इंजीनियर अनिल काकोडकर का जन्म 11 नवंबर 1943 को हुआ था।

विपक्षी गठबंधन में फूट के मायने, प्रतिबद्धता के अभाव में डांवाडोल है स्थिति

यदि विपक्ष की राजनीति में भाजपा के विरुद्ध समानांतर वैचारिकता और गहरी प्रतिबद्धता होती, तो दलों के छोटे स्वार्थ कभी आड़े नहीं आ सकते थे।

अवधेश कुमार

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा 'इंडिया' गठबंधन की वर्तमान स्थिति पर व्यक्त की गई निराशा पर आश्चर्य का कोई कारण नहीं है। 'इंडिया' की मुंबई बैठक के बाद गतिविधियां पूरी तरह ठप्प हैं। यह प्रश्न चारों ओर से उठ रहा है कि आखिर इस गठबंधन का हुआ क्या? बिहार में विपक्ष से लेकर सोशल मीडिया पर नीतीश कुमार, 'इंडिया' को लेकर हास्य-व्यंग्य के भी शिकार हो रहे हैं। राजनीति में खासकर ऐसे मामलों में नेता जितना कुछ कहते हैं, उससे ज्यादा जो वह नहीं बोलते हैं, महत्वपूर्ण होता है। यह तो संभव नहीं कि नीतीश कुमार ने कांग्रेस के नेताओं से इस बीच बातचीत करने की कोशिश नहीं की होगी।

आखिर बिहार में भाजपा से गठबंधन तोड़ने के बाद उनके लिए भविष्य की राजनीति का कोई एक सबसे बड़ा आधार हो सकता है, तो वह विपक्षी गठबंधन। पटना में पहली बैठक आयोजित कर उन्होंने विपक्षी मोर्चाबंदी की नींव डालने का श्रेय भी प्राप्त किया। ऐसा लगता है कि कांग्रेस से उनको सकारात्मक या उत्साहजनक जवाब नहीं मिला है। वहीं, मध्य प्रदेश में सपा व कांग्रेस के बीच तनाव और एक-दूसरे के विरुद्ध अशोभनीय वक्तव्यों के बाद 'इंडिया' के घटक दलों के आपसी संबंधों को लेकर अलग से कुछ कहने की आवश्यकता नहीं रह जाती।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव की मानें, तो कांग्रेस ने उन्हें छह सीट का वचन दिया था और वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह से उनकी बात भी हुई थी। कई बार गठबंधन के दल भी एक-दूसरे के विरुद्ध चुनाव लड़ते हैं, पर 2024 यदि 'इंडिया' के लिए 'करो या मरो' का प्रश्न है, तो विधानसभा चुनाव में कम से कम वचन और व्यवहार में उसकी झलक मिलनी चाहिए थी। कांग्रेस यदि सपा का कहा मान लेती, तो उससे

चुनाव परिणाम पर बहुत ज्यादा फर्क नहीं आता, बल्कि 'इंडिया' के ज्यादा सशक्त होने का संदेश जाता। आम आदमी पार्टी तो मैदान में उतरकर भाजपा के साथ कांग्रेस को भी निशाना बना रही है। नीतीश कुमार भले अखिलेश यादव की तरह कांग्रेस के विरुद्ध गुस्सा व्यक्त न करें, पर अंदर से उनकी स्थिति भी वैसी ही होगी। कांग्रेस का मानना है कि इन तीन राज्यों में यदि पार्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया, तो ही 'इंडिया' में उसकी हैसियत अपनी शर्तों पर गठबंधन करने की होगी।

वर्तमान कांग्रेस नेतृत्व के रणनीतिकारों का मानना है कि भारत जोड़ो यात्रा तथा प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा एवं संघ के विरुद्ध सीधा आक्रामक रवैया अपनाने के कारण राहुल गांधी की लोकप्रियता काफी बढ़ी है। हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक विधानसभा चुनाव में विजय के बाद सोनिया गांधी परिवार के तीनों सदस्य मान रहे हैं कि नरेंद्र मोदी सरकार तथा भाजपा के विरुद्ध जनता में व्यापक असंतोष है और कांग्रेस को उनका समर्थन मिल सकता है। विपक्ष की पटना बैठक के साथ कांग्रेस के बड़े दल की भूमिका दिखने लगी थी। बंगलूरू में वह हावी होने के स्तर पर थी और मुंबई में ऐसा वातावरण बना, मानो कांग्रेस ही इसकी मुख्य कर्ताधर्ता और नेतृत्वकर्ता हो। ज्यादातर दलों को लगता था कि दो बार लोकसभा चुनाव में बुरी तरह हारने के बाद कांग्रेस के अंदर स्वयं को समायोजित करने का भाव ज्यादा गहरा होगा। पर, व्यवहार से ऐसा दिख नहीं रहा। अखिलेश यादव का गुस्सा या नीतीश कुमार की पीड़ा इसी की अभिव्यक्ति है।

यह तर्क दिया जा सकता है कि 'इंडिया' लोकसभा के लिए बना है, विधानसभा के लिए नहीं। यह बात गठबंधन की बैठक में तय हो जानी चाहिए थी। वाम मोर्चा ने साफ कर दिया है कि तृणमूल कांग्रेस के साथ उसका गठबंधन संभव नहीं है। यानी, यदि कांग्रेस और वाम मोर्चा का गठबंधन होगा, तो यह निश्चित रूप से तृणमूल के विरुद्ध होगा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से पूछताछ के लिए ईडी की ओर से दिए गए सम्मन पर 'इंडिया' की कोई सामूहिक प्रतिक्रिया नहीं थी। वर्तमान राजनीतिक माहौल से साफ है कि सारे भाजपा विरोधी दल उसे हराकर सत्ता में आना चाहते हैं, किंतु उनकी दृष्टि में व्यापकता और दूरगामी सोच का अभाव है। यदि विपक्ष की राजनीति में भाजपा के विरुद्ध समानांतर गहरी वैचारिकता और उसके प्रति प्रतिबद्धता होती, तो सभी दलों का व्यवहार अलग होता। विचारधारा की लड़ाई में छोटे राजनीतिक स्वार्थ कभी आड़े नहीं आ सकते। इसलिए 'इंडिया' की वर्तमान स्थिति से यह बात फिर प्रमाणित हुई है कि विचारधारा से ज्यादा निजी व दलीय हित ही 'इंडिया' के पीछे मुख्य कारक थे और आगे भी होंगे।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

धनतेरस :- 10 नवम्बर, 2023

गुणात्मक समृद्धि की अमृतवर्षा का पर्व है धनतेरस

ललित गर्ग

दीपावली से जुड़े पांच पर्वों में दूसरा महत्वपूर्ण पर्व है धनतेरस। धनतेरस के दिन भगवान धनवंतरी और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है और इस दिन खरीदारी और दान-पुण्य करना भी शुभ माना जाता है। इस दिन को धन त्रयोदशी और धन्वंतरि जयंती के नाम से भी जाना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जनक धन्वंतरि देव समुद्र मंथन से प्रकट हुए थे और प्रकट होते समय उनके हाथ में अमृत से भरा कलश था। यही कारण है कि इस दिन बर्तन खरीदे जाते हैं। हिन्दू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, धन संपदा की देवी मां लक्ष्मी धनतेरस के दिन ही समुद्र मंथन के दौरान प्रकट हुईं थीं इसीलिए ऐसा माना जाता है कि इस दिन सोना-चांदी घर लाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है, घर में सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली आती है और अच्छा भाग्य भी घर लाते हैं। सोना खरीदने से बुरी शक्तियां और नकारात्मक ऊर्जा घर से दूर होती है। कई परिवार इस दिन सोना-चांदी खरीदकर अपनी सैकड़ों साल पुरानी परंपरा का पालन करते हुए इस दिन दिव्यता एवं धन की देवी लक्ष्मी देवी की पूजा करते हैं।

धनतेरस धन की कामना का पर्व है। इस दृष्टि से यह अर्थव्यवस्था का पर्व है। अर्थ से अर्थ-व्यवस्था का सम्यक् एवं गुणात्मक संधान। इस दिन घर एवं बाजारों में आशा के दीप सजते हैं, मुद्रा का आदान-प्रदान होता है। मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई चीजों में कई गुना वृद्धि हो जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि इस दिन कुछ उपाय करने से घर में धन-धान्य के भंडार भर जाते हैं और मां लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है। तम मिटाती धनतेरस और प्रकाश बांटती लक्ष्मी यानी भारतीय पद्धति के अनुसार प्रत्येक आराधना, उपासना व अर्चना में आधिभौतिक, आध्यात्मिक और आधिदैविक इन तीनों रूपों का समन्वित व्यवहार होता है। इस तरह इस उत्सव में उपरोक्त तीनों प्रकार से लक्ष्मी की उपासना यानी धन एवं सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। इस मान्यतानुसार इस उत्सव में भी सोने, चांदी, सिक्के आदि के रूप में आधिभौतिक लक्ष्मी का आधिदैविक लक्ष्मी से संबंध स्वीकार करके पूजन किया जाता हैं। घरों को दीपमाला आदि से अलंकृत करना इत्यादि कार्य लक्ष्मी के आध्यात्मिक स्वरूप की शोभा को आविर्भूत करने के लिए किए जाते हैं। जब हम धन का ध्यान करते हैं तो सार्वभौमिक आत्मा को अपनी प्रचुरता के लिए धन्यवाद देते हैं।

हम और ज्यादा के लिए भी प्रार्थना करतें हैं ताकि हम और ज्यादा समृद्ध हो सकें यह समृद्धि केवल सोना-चांदी-रूपयों की ही नहीं बल्कि ज्ञान, आनन्द आत्मविश्वास, शांति एवं प्रेम की भी होती है। सोना चांदी केवल एक बाहरी प्रतीक है। दौलत हमारे भीतर है। भीतर में बहुत सारा प्रेम, शांति और आनंद है। इससे ज्यादा दौलत आपको और क्या चाहिए? ज्ञान ही वास्तविक धन है। आपका चरित्र, आपकी शांति और आत्म विश्वास

आपकी वास्तविक दौलत है। जब आप ईश्वर के साथ जुड़ कर आगे बढ़ते हो तो इससे बढ़कर कोई और दौलत नहीं है। यह शाही विचार तभी आता है जब आप ईश्वर और उसकी अनंतता के साथ जुड़ जाते हो। जब लहर यह याद रखती है कि वह समुद्र के साथ जुड़ी हुई है और समुद्र का हिस्सा है तो विशाल शक्ति मिलती है। धनतेरस 'आयुर्वेद' का दिन भी है, क्योंकि जड़ीबूटियां भी धन हैं। जड़ीबूटियां और पेड़-पौधे भी धन हैं। ऐसा कहते हैं कि धनतेरस के दिन ही मानवता को अमृत दिया गया था।

भारतीय संस्कृति में धर्म-अर्थ-काम और मोक्ष जीवन के उद्देश्य रहे हैं। यहां इन्हें प्राप्त करने के लिए हमेशा से प्रयास होते रहे हैं। धनतेरस पर धन के साथ-साथ धर्म को भी यहां महत्त्व दिया गया है और दोनों के बीच समन्वय स्थापित किए जाने की आवश्यकता भी व्यक्त होती रही है लेकिन जब-जब इनके समन्वय के प्रयास कमजोर हुए हैं तब-तब समाज में एक असंतुलन एवं अराजकता का माहौल बना है। शास्त्रों में कहा गया है कि धन की सार्थकता तभी है जब व्यक्ति का जीवन सद्गुणों से युक्त हो। लेकिन हाल के वर्षों में समृद्धि को लेकर हमारे समाज की मानसिकता और मानक बदले हैं। आज समृद्धि का अर्थ सिर्फ आर्थिक सम्पन्नता तक हो गया है। समाज में मानवीय मूल्यों और सद्विचारों को हाशिये पर डाल दिया गया है और येन-केन-प्रकारेण धन कमाना एवं धन की कामना करना ही सबसे बड़ा लक्ष्य बनता जा रहा है। आखिर ऐसा क्यों हुआ? क्या इस प्रवृत्ति के बीज हमारी परंपराओं में रहे हैं या यह बाजार के दबाव का नतीजा है? इस तरह की मानसिकता समाज को कहां ले जाएगी? ये कुछ महत्त्वपूर्ण प्रश्न हैं, जिनपर धनतेरस जैसे पवित्र पर्व पर मंथन जरूरी है।

लक्ष्मीजी का स्वरूप त्रिगुणात्मक है। उनका वास तन, मन और धन तीनों में है। पांच प्रकार के सुख कहे गये हैं- तन, मन, धन, पत्नी और संतान। देवी भगवती कमला यानी लक्ष्मीजी के आठ रूप कहे गये हैं। आद्य लक्ष्मी या महालक्ष्मी (कन्या), धन लक्ष्मी (धन, वैभव, निवेश, अर्थव्यवस्था), धान्य लक्ष्मी (अन्न), गजलक्ष्मी (पशु व प्राकृतिक धन), सनातना लक्ष्मी (सौभाग्य, स्वास्थ्य, आयु व समृद्धि), वीरा लक्ष्मी (वीरोचित लक्ष्मी अर्थात रक्षा, सुरक्षा), विजया लक्ष्मी (दिगदिगंत विजय), विद्या लक्ष्मी (विद्या, ज्ञान, कला विज्ञान), इन आठों स्वरूपों को मिलाकर महालक्ष्मी का पर्व बना दिवाली। दिवाली अर्थात दीप पर्व। जहां इन आठों स्वरूपों का प्रकाश हो, वहां दिवाली निश्चित रूप से होती है। प्रकाश, पुष्टि, प्रगति की प्रार्थना के साथ। दूसरे अर्थ में समझिए। लक्ष्मीजी का वास एक लघु इकाई में है। एक माटी के दीपक में है। उसके प्रकाश में है। एक फकीर की भी दिवाली है तो एक अमीर की भी। एक कुम्हार की भी दिवाली है, तो एक सर्राफ की भी। यही लक्ष्मी है। मन की लक्ष्मी। सबकी लक्ष्मी। इसका आशय यह है कि तन, मन, धन, परिवार और संतान की पुष्टि एक दीप की तरह प्रकाशवान रहें। धनवर्षा के साथ, अमृतवर्षा के साथ।

हमारी समृद्धि गुणात्मक हो, लेकिन समृद्धि के नाम पर पनप रहा नया नजरिया न केवल घातक है बल्कि मानव अस्तित्व पर खतरे का एक गंभीर संकेत भी है। साम्राज्यवाद की पीठ पर सवार पूंजीवाद ने जहां एक ओर अमीरी को बढ़ाया है तो वहीं दूसरी ओर गरीबी भी बढ़ती गई है। यह अमीरी और गरीबी का फासला कम होने की बजाय बढ़ता ही जा रहा है जिसके परिणामों के रूप में हम रूस-यूक्रेन, हमास-इजरायल युद्ध की विभीषिकाओं को, आतंकवाद को, सांप्रदायिकता, महंगाई, बेरोजगारी को देख सकते हैं, जिनकी निष्पत्तियां हैं समाज में हिंसा, नफरत, द्वेष, लोभ, गलाकाट प्रतिस्पर्धा, रिश्ते में दरारें आदि। सर्वाधिक प्रभाव पर्यावरणीय असंतुलन एवं प्रदूषण के रूप में उभरा है। चंद हाथों में सिमटी समृद्धि की वजह से बड़े और तथाकथित संपन्न लोग ही नहीं बल्कि देश का एक बड़ा तबका मानवीयता से शून्य अपसंस्कृति का शिकार हो गया है। अनेक बुराइयां बिन बुलाए घर आ गईं। आदमी-आदमी से असुरक्षित हो गया। हिंसा, झूठ, चोरी, बलात्कार, संग्रह जैसे निषेधात्मक संस्कारों ने मनुष्य को पकड़ लिया। चेहरे ही नहीं चरित्र तक अपनी पहचान खोने लगे। नीति और निष्ठा के केंद्र बदलने लगे। आस्था की नींव कमजोर पड़ने लगे।

धन के प्रति हमारा नजरिया विसंगतिपूर्ण है। इस प्रक्रिया में हमारा दीपावली एवं धनतेरस मनाना कहां सार्थक रह पाया है। क्योंकि सारी सामाजिक मान्यताओं, मानवीय मूल्यों, मर्यादाओं को ताक पर रखकर कैसे भी धन एकत्र कर लेने को सफलता का मानक माने जाने लगा है जिससे राजनीति, साहित्य, कला, धर्म सभी को पैसे की तराजू पर तोला जाने लगा है। इस प्रवृत्ति के बड़े खतरनाक नतीजे सामने आ रहे हैं। समृद्धि की तथाकथित आधुनिक जीवनशैली ने जीवन मूल्यों के प्रति अनास्था को पनपाया है। समृद्धि के बदलते मायने तभी कल्याणकारी बन सकते हैं जब समृद्धि के साथ चरित्र निष्ठा और नैतिकता भी कायम रहे। शुद्ध साध्य के लिए शुद्ध साधन अपनाने की बात इसीलिए जरूरी है कि समृद्धि के रूप में प्राप्त साधनों का सही दिशा में सही लक्ष्य के साथ उपयोग हो। संग्रह के साथ विसर्जन की चेतना जागे। पदार्थ संयम के साथ इच्छा संयम हो, भोग के साथ संयम भी जरूरी है। भले हमारे पास कार, कोठी और कुर्सी न हो लेकिन चारित्रिक गुणों की काबिलियत अवश्य हो क्योंकि इसी काबिलियत के बल पर हम अपने आपको महाशक्तिशाली बना सकेगे, तभी हमारा धनतेरस मनाना सार्थक होगा।

सिवनी मालवा विस क्षेत्र में त्रिकोणीय मुकाबला

भाजपा कांग्रेस सहित 15 प्रत्याशी मैदान में

संतोष सिंह चंदेल, सिवनी मालवा

सिवनी मालवा विधानसभा 136 में कछुआ चाल से चल रहा चुनावी प्रचार प्रसार अब धीरे-धीरे अपना रंग दिखाते हुए घमासान के निर्णायक मोड़ पर पहुंच रहा है। भाजपा और कांग्रेस की सीधी टक्कर में इस बार के चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार मैदान में आने से सिवनी मालवा विधानसभा चुनाव त्रिकोणीय मुकाबला मे रहेगा। जहां भाजपा से विधायक रहे प्रेम शंकर वर्मा द्वारा विकास के नाम पर वोट मांगा जा रहा है तो दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी द्वारा चुनावी मैदान में उतारे गए नवयुवक अजय पटेल कांग्रेस पार्टी के घोषणा पत्र के आधार पर जनता के बीच में पहुंचकर अपने पक्ष में मतदान करने की गुहार लगा लगा रहे हैं। हालांकि क्षेत्र की जनता इस चुनाव मे जागरूक दिख रही है कि हमें मतदान कहां करना है, यह स्पष्ट शब्दों में उनके चेहरों पर दिखाई दे रहा है। अभी तक मतदाताओं को लोभ लालच और लुभावने वादे करने के बाद मतदान भले ही कराया गया हो लेकिन अब वह स्थिति नहीं दिख रही है। इन सब के चलते कांग्रेस पार्टी से बागी हुए क्षेत्र के पूर्व विधायक ओम प्रकाश रघुवंशी भी निर्दलीय चुनाव में उतरने के कारण सिवनी मालवा विधानसभा त्रिकोणीय मुकाम पर पहुंच गया है।

ओमप्रकाश रघुवंशी द्वारा भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टी पर निशाना सादा जा रहा है और जनता के बीच में अपनी बात रखी जा रही है। यही नहीं उनके साथ में रघुवंशी समाज का एक बड़ा वोट बैंक भी डोर टू डोर संपर्क कर लोगों को रिझाने में लगा हुआ है। इन सबके अलावा बरसों से गांव-गांव गरीब और किसानो की समस्याओं को हल करने के लिए उनकी बातों को शासन प्रशासन तक ले जाने के लिए आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार सुनील गौर भी मैदान में हैं।

तो वहीं क्षेत्र के जुझारू और ज्वलंत समस्याओं को शासन प्रशासन तक रूबरू कराने वाले राष्ट्रवादी भारत पार्टी के उम्मीदवार नरेंद्र रघुवंशी भी मैदान में है रघुवंशी द्वारा लगातार क्षेत्र के जनहित के मुद्दे को अपना मुद्दा समझ कर शासन प्रशासन से प्रतिदिन आमना सामना होता रहता है। इधर देखा जाए तो गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने अपने उम्मीदवार के रूप में उमेद सिंह जाट को मैदान में उतारा है उमेद सिंह जाट भी वर्षों से आदिवासी क्षेत्रों में पहुंचकर उनकी समस्याएं सुन रहे हैं उन समस्याओं को लेकर समय-समय पर तहसील कार्यालय के सामने धरना आंदोलन प्रदर्शन ज्ञापन के माध्यम से अपनी बात शासन प्रशासन तक पहुंचाने का काम किया गया। इस चुनाव मे सब अपना अपना भाग्य आजमाने के लिए मैदान में उतरे हैं। इस बार विधानसभा चुनाव में 15 प्रत्याशी चुनाव लड़के अपने-अपने भाग को आजमा रहे हैं।इन सब के बाद सूत्र बताते हैं कि चुनावी मुकाबला त्रिकोणीय ही रहेगा।

शराब का अवैध परिवहन करने पर 6 वाहन राजसात, कलेक्टर ने किये आदेश पारित

नर्मदापुरम। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी नीरज कुमार सिंह ने जिले में शराब का अवैध परिवहन करने वाले आरोपियों के वाहन राजसात करने के आदेश जारी किए हैं। संयुक्त कलेक्टर नर्मदापुरम ने इस संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया है कि थाना इटारसी अंतर्गत वाहन स्वामी रामलाल केवट आत्मज रामोवतार केवट निवासी सूरजगंज ईटारसी की मोटरसायकल क्रमांक एमपी 06 एमक्यू 1804, थाना पिपरिया अंतर्गत वाहन स्वामी शैलेन्द्र उर्फ सिल्लू पटेल पिता लक्ष्मणसिंह पटेल निवासी सरदार पटेल वार्ड पिपरिया की मोटर सायकल क्रमांक एमपी 05 एमजेड 2859, वाहन स्वामी भगवानदास साहू पिता पूरनलाल साहू निवासी सुभाष वार्ड पिपरिया की मोटर सायकल क्रमांक एमपी 05 एई 2009, वाहन स्वामी आशाराम पटेल पिता हरप्रसाद पटेल निवासी कृपा तहसील बनखेड़ी की मोटर सायकल क्रमांक एमपी 05 एमक्यू 2546 एवं थाना बनखेड़ी अंतर्गत वाहन स्वामी मंगल सोनवंशी पिता अनंतराम सोनवंशी निवासी सिंगपुर की मोटर सायकल क्रमांक एमपी 05 एमएस 2009 तथा वाहन स्वामी चंदनसिंह कुशवाहा पिता इंदरसिंह कुशवाहा निवासी सुरेला रंधीर की मोटर सायकल क्रमांक एमपी 05 एमआर 0446 को राजसाम करने के आदेश पारित किये गये हैं।

पहली बार मतदाताओं को दी जा रही क्यूआर कोड वाली मतदाता सूचना पर्ची

नर्मदापुरम। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि मतदाता सूचना पर्ची (वोटर पर्ची) के वितरण का कार्य शुरू हो गया है। प्रदेश के सभी मतदाताओं को पहली बार क्यूआर कोड वाली मतदाता सूचना पर्ची का वितरण किया जा रहा है। क्यूआर कोड वाली मतदाता सूचना पर्ची के माध्यम से मतदाता अपने मतदान केन्द्र का क्रमांक, राज्य और जिला का हेल्पलाइन नम्बर जैसी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कर सकेंगे। विधानसभा निर्वाचन-2023 के अंतर्गत मतदाता सूचना पर्ची के वितरण का कार्य प्रारंभ हो गया है।

दो आदतन अपराधी जिला बदर

नर्मदापुरम. कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी नीरज कुमार सिंह ने जिले के दो आदतन अपराधियों को जिला नर्मदापुरम की सीमाओं एवं सीमावर्ती जिलो की सीमाओं से आगामी 1 वर्ष के लिए जिला बदर किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिन्हें जिला बदर किया गया है उनमें थाना डोलरिया के तरूण भदौरिया पिता शिवराजसिंह भदौरिया उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम भीलाखेड़ी एवं थाना पिपरिया के जावेद ईरानी आत्मज कमाल ईरानी उम्र 47 वर्ष निवासी इतवारा बाजार पिपरिया शामिल है।

पुल नहीं तो वोट नहीं का नारा देकर विरोध करने वाले आदिवासी मतदाता को मनाने पहुंचीं तो...

सीईओ की गाड़ी मोरन नदी में फंसी, डेढ़ किलोमीटर पैदल चलकर गांव पहुंचीं

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

तहसील मुख्यालय से करीब 45 किलोमीटर दूर सतपुड़ा की चौथी पर्वत श्रृंखला पर बसे ग्राम बेंठ के पास मोरन नदी पर पुल बनाए जाने की मांग मतदाताओं ने की थी, उन्होंने कहा था कि पुल नहीं तो वोट नहीं । मतदान का विरोध करने वाले आदिवासी मतदाताओं को मनाने के लिए जनपद सीईओ श्रुति चौधरी गांव पहुंचीं । गांव से डेढ़ किमी पहले ही मौरन नदी के घाट पर उनकी गाड़ी नदी की रेत में फ?स गई । जिसे ट्रैक्टर से खींचकर निकल गया ।

ग्राम बैंठ के मतदाताओं के द्वारा मोरन नदी के पानी में खड़े होकर बैनर हाथ में लेकर पुल बनाने की मांग की थी। आदिवासियों के इस समस्या को देखने और मतदाताओं को समझने के लिए जनपद सीईओ श्रुति चौधरी ग्राम बैंठ पहुंचीं और उन्होंने आदिवासी मतदाताओं से चर्चा की । चर्चा के दौरान सीईओ ने बताया कि करोड़ों रुपए की लागत से बनने वाले इस ब्रिज के लिए कुछ समय तो आपको देना ही होगा । विधानसभा चुनाव की आचार संहिता समाप्त होने के बाद हम प्राथमिकता के आधार पर पुल निर्माण की कार्यवाही करेंगे। दूरस्थ बसे आदिवासी मतदाताओं ने जब एक अधिकारी को अपने बीच में पाया और उन्होंने प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने की बात कही तब आदिवासी मतदाता इस बात के लिए तैयार हो गए लेकिन उन्होंने जल्द से जल्द पुल निर्माण करने की बात कही ।

यह लोग थे उपस्थित: सीईओ श्रुति चौधरी के साथ पंचायत समन्वयक अनुप माछिया, सचिव संजय दुबे, सहायक सचिव प्रदीप, भाले सिंह और ग्रामीणों में राममोहन, जसवंत, सरवन, राधेश्याम बामने, अर्जुन सिंह सहित अनेक महिलाएं उपस्थित रहीं ।

मोरन नदी में सीओ की गाड़ी फंसी

सतपुड़ा पर्वत पर बसे ग्राम बैठ पहुंचने के पहले मौरन नदी स्थित है। जहां आदिवासी मतदाताओं ने पुल बनाने की मांग की थी । सीईओ श्रुति चौधरी जब आदिवासी मतदाताओं को समझने और मनाने के लिए गांव जा रही थी तब उनकी गाड़ी मोरन नदी की रेत में फंस गई। आसपास कोई मदद करने वाला भी नहीं था इसलिए वे डेढ़ किमी पैदल चलकर जनपद के अन्य कर्मचारियों के साथ ग्राम बैठ पहुंची ।

किन हालातो में है यहां के आदिवासी: सतपुड़ा पर्वत के सुदूर अंचल में बसे आदिवासी ग्राम बैंठ के मोरन नदी पर पुल नहीं होने के कारण अधिकारी और कर्मचारियों का जाना गांव में नहीं है। जिसके कारण शासन प्रशासन की तमाम योजनाएं इन तक नहीं पहुंच पाती है। सबसे ज्यादा समस्या गर्भवती महिलाएं बुजुर्गों के साथ होती है

आदिवासी मतदाताओं की समस्या देखने और उन्हें समझाने के लिए हम ग्राम बैंठ गए थे जो अत्यंत दुर्गम है । करीब 2 वर्ष पहले ग्रामीण यंत्र की विभाग ने एस्टीमेट बनाकर शासन को प्रेषित किया था । आचार संहिता समाप्त होने के बाद हम पुनः प्राथमिकता के आधार पर पुल निर्माण की कार्यवाही करेंगे

श्रुति चौधरी, सीईओ, जनपद सिवनी मालवा ।

सिवनी मालवा विधानसभा निर्वाचन को लेकर जिला पंचायत सीईओ ने किया प्रशिक्षण का निरीक्षण

नर्मदापुरम/ सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

सिवनी मालवा विधानसभा निर्वाचन 2023 को दृष्टिगत रखते हुए पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी क्रमांक एक का प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर्स की उपस्थिति में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिवनी मालवा मे पांचवा तथा अंतिम दिवस भी जारी रहा। गुरूवार दोपहर मतदान कर्मियों के प्रशिक्षण का निरीक्षण करने जिला पंचायत सीईओ सुजैन रावत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहुंचे जहाँ मास्टर ट्रेनर्स द्वारा निर्वाचन सामग्री लेने से जमा होने तक का विधिवत प्रशिक्षण दिया जा रहा था।

मास्टर ट्रेनर्स द्वारा बताया गया की मतदान दिवस के एक दिन पूर्व जब मतदान दल को सामग्री प्राप्त होती है उसी समय ईवीएम मशीन को कनेक्ट नहीं करना है। दिखावटी मतदान प्रक्रिया के बारे में भी विस्तार पूर्वक बताया गया तथा पीपीटी के माध्यम से भी समझाया गया तथा सभी पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी क्रमांक 1 को हैंड्स ओंन प्रशिक्षण भी दिया गया।

जिला पंचायत सीईओ द्वारा मतदान कर्मियों को बताया गया कि दिखावटी मतदान के पश्चात ईवीएम मशीन को सीआरसी करना है, उसके पश्चात ही ईवीएम मशीन वास्तविक मतदान के लिए तैयार होगी। मतदान पूर्ण होने के पश्चात ईवीएम मशीन को क्लोज करना है। मतदान धैर्य एवं संयम से करावे जिन कर्मचारियों की ड्यूटी निर्वाचन में पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी क्रमांक एक पर लगी है उनसे डाक मत पत्र के लिए प्रारूप 12 भी जमा किए गए। जिला पंचायत सीईओ द्वारा प्रत्येक कक्ष में जाकर पीठासीन अधिकारी मतदान अधिकारी क्रमांक 1 से निर्वाचन तथा ईवीएम से संबंधित प्रश्न भी पूछे तथा निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित प्रश्नावली को भी हल करवाया गया।

मतदान करने के लिए रखी गई रंगोली प्रतियोगिता

सिवनी मालवा । एस.डी.ए.एम. महाविद्यालय द्वारा रंगोली प्रतियोगिता रखी गई। जिसमे मतदान जागरुकता विषय पर छात्र छात्राओं द्वारा रंगोली बनाकर 100 प्रतिशत मतदान करने का संदेश दिया गया। हम भारत के जिम्मेदार नागरिक है। हमे अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्य का भी पालन करना चाहिए। एक वोट से सरकार बन भी सकती है और बिगड़ भी सकती है कॉलेज द्वार लगातार नुक्कड़ नाटक,रंगोली, वाद विवाद जैसे कार्यक्रम द्वारा बच्चो को और स्टूडेंट द्वारा उनके अभिवावको को सौ प्रतिशत मतदान करने का संदेश दिया जा रहा है। लोकतंत्र की नींव मताधिकार पर ही रखी जाती है। इस प्रणाली पर आधारित समाज व शासन की स्थापना के लिए आवश्यक है कि प्रत्येक वयस्क नागरिक को बिना किसी भेदभाव के अपने मत अधिकार का प्रयोग करना चाहिए। रंगोली में प्रथम स्थान पर देवयानी बाथव,सलोनी और मानसी राठौर द्वितीय स्थान पर शिवांगी, नैना तृतीय स्थान पर प्राची, कशिश और राधिका,इशिका और हिमानी यास्मीन रहे।

एसपी पहुंचे पिपरिया, मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

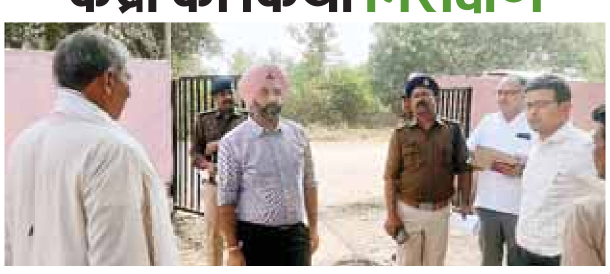

नर्मदापुरम.कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह और एसपी डॉ गुरकरण सिंह ने गुरुवार को पिपरिया विधानसभा में निर्वाचन की तैयारीयों का जायजा लिया।उन्होंने क्रिटिकल मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर मतदाताओं से चर्चा की। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सिंह ने संवेदनशील मतदान केंद्रों के आसपास रहने वाले ग्रामीणों से चर्चा कर जानकारी ली और उन्हे निर्भीक और स्वतंत्र होकर मतदान करने और अन्य लोगों को भी मतदान करने के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया। इसके बाद दोनों अधिकारियों ने पीजी कॉलेज स्ट्रॉन्ग रूम का भी निरीक्षण कर यहां चल रही इवीएम कमिश्निंग प्रक्रिया का अवलोकन किया।

इस दौरान कलेक्टर एवं एसपी ने पिपरिया विधानसभा अंतर्गत मतदान केंद्रों पर भी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने बूथों पर प्रकाश, पेयजल व साफ-सफाई , दिव्यांगों के लिए व्हीलचेयर, रैंप की व्यवस्था कराने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा क स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से निर्वाचन संपन्न कराया जाएगा। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर सिंह ने मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाने के निर्देश दिए।

आरटीओ ने की बसों की जांच, 19 चालान से 28 हजार वसूले..

नर्मदापुरम.आरटीओ निशा चौहान के नेतृत्व में परिवहन विभाग के जांच दल द्वारा नर्मदापुरम जिले के इटारसी तहसील के सभी मार्गो के साथ इटारसी बस स्टैंड, नर्मदापुरम बस स्टैंड तथा बाबई मार्ग पर आरटीओ अधिकारी स्वयं टीम के साथ जांच करने पहुंची, जिसमे बसों की तलाशी अभियान के साथ निजी तथा लोडिंग वाहनों के समस्त दस्तावेजों के साथ अवैध पदार्थ, अवैध नगदी, ब्लैक फिल्म तथा हूटर की जांच की गई, जिसमे जांच के दौरान 1 हूटर वाली कार, 1 बिना फिटनेस वाहन, 2 बिना बीमा तथा अन्य वाहनों पर चालानी कार्यवाही करते हुए 85 वाहनों की जांच में 19 वाहनों से कुल चालान 28000 प्राप्त किए गए।

35 किलो से अधिक खाद्य सामग्री की गई नष्ट

नर्मदापुरम। आगामी त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर नीरज कुमार सिंह के निर्देशानुसार खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा सघन जांच अभियान चलाया गया है, जिसमें जिला स्तर एवं तहसीलों में 45 से अधिक नमूने त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए लिए जा चुके है जो जांच हेतु राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजे गये। साथ ही लगभग 35 किलोग्राम खुली खाद्य सामग्री का विनष्टीकरण किया गया। साथ ही 7 खाद्य विक्रेता को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा 32 के तहत नोटिस जारी किए गए।इसी के तारतम्य में गुरुवार को ग्वालटोली स्थित यादव डेयरी से मावा एवं मिल्क केक और किरन होटल से दूध पाक एवं मिल्क केक के सैंपल लिए गए विभाग द्वारा सतत कार्यवाही जारी है। साथ ही विभाग की और से नागरिकों को सूचित किया जाता है कि बाजार में मिठाई खरीदते समय रंगीन, ऐसेंस वाली मिठाइयां की जगह बिना रंग वाली मिठाइयों का प्रयोग करें। सुनिश्चित हो कि मिठाई, नमकीन एवं अन्य खाद्य पदार्थ ढके हुए हो और खाद्य पदार्थों को भंडारित करने, परोसने एवं पैक करने के लिए न्यूज़ पेपर का प्रयोग नहीं किया गया हो। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन अथवा स्थानीय प्रशासन को सूचित करें।

धूल के कारण लोगों की सेहत हो रही है खराब, सांस, सर्दी जुकाम के बढ़ रहे हैं मरीज, जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

मुख्य नगर पालिक अधिकारी की अनदेखी के कारण धूल से आम जनता परेशान हो रही है प।इस समस्या से मुक्ति दिलाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया जा रहे हैं।शहर की मुख्य सड़कों पर धूल के कारण लोगों की हालत खराब हो रही है। दो पहिया वाहन चालकों को वाहन चलाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा जैसे ही चार पहिया वाहन सड़क पर दौड़ते हुए जाता है तो धूल का गुब्बारा जब उड़ता है तो दो पहिया वाहन चालक को कुछ दिखाई नहीं देता है। इसके कारण कई बार उनके वाहन फिसल कर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं ।सबसे बड़ी समस्या आम जनता के साथ व्यापारियों को उठानी पढ़ाई है। सुबह से लेकर दी देर रात तक दुकानों पर बैठकर इनको धूल का सामना करना पड़ रहा है ।इनके शरीर के अंदर भी धूल जम जाती है कपड़े सुबह धुले हुए पहन के आते हैं तो शाम को जब घर लौटते हैं तो ऐसा लगता है कि कहीं धूल में लेटकर आ रहे हैं,ऐसी हलात हो जाती है।इसके अलावा इनको कई तरह की समस्याएं भी हो रही है इसमें सर्दी ,जुकाम स्वास से बीमारी का भी सामना करना पड़ रहा है। इसके बाद भी इस समस्या से छुटकारा दिलाने के लिए कोई प्रयास नहीं किया रहा। नगर पालिका प्रशासन के द्वारा तो आंख बंद कर ली गई है। लिंक रोड की सड़क का निर्माण लंबे समय से लंबित पड़ा हुआ है । उस काम को गति से नहीं करवाया जा रहा है ।

दूसरी ओर ठेकेदार के द्वारा सड़क बनाने के लिए डाला गया मटेरियल सड़क पर छोड़ दिया गया है इसकी वजह से धूल और ज्यादा हो गई है। मिट्टी भी सड़क पर डाली गई है। उसको भी नहीं उठाया जा रहा है। इसके कारण धूल कम होने की जगह पर बढ़ गई है। जैसे ही वाहन यहां से निकलते हैं तो धूल ही धूल दिखाई देती है। दुकानदारों की दुकानों में भी धूल जम रही है ।इस समस्या से छुटकारा दिलाने के लिए व्यापारी गाणो के द्वारा कई बार शिकायत की जा चुकी है । जिम्मेदारों कानों पर जू भी नहीं रेग रही है । मुख्य नगर पालिका अधिकारी को तो व्यापारियों और आम जनता की समस्या से कोई सरोकार नहीं है तभी तो शिकायतों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं । समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो बीमारियों की संख्या तेजी से पैर पसार लेगी बुजुर्ग व्यक्तियों को वैसे ही स्वास्थ्य की समस्या का सामना करना पड़ता है। उनके लिए धूल और भी परेशानी का कारण बन गई है। डॉक्टर बी एल दिनकर ने बताया की धूल के कारण स्वास की बीमारी वालों लोगों को ज्यादा तकलीफ होती है शरीर के अंदर धूल जमने से फेफड़े भी प्रभावित होते हैं। हर व्यक्ति के लिए धूल परेशानी का कारण बनती है। इसकी वजह से लोगों को सर्दी जुखाम के अलावा कोई तरह की बीमारियों होने का खतरा हमेशा बना रहता है । वहीं मुख्य नगर पालिकाई से जब बात करने की कोशिश की तो उनसे संपर्क ही नहीं हो पाया हमेशा यहां आउट ऑफ सर्विस रहते हैं।

इनका कहना है

धूल के कारण हम लोगों को बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है ।सुबह नए कपड़े पहन कर आते हैं तो शाम को पुरानी हो जाते हैं। चेहरे पर धूल ही धूल नजर आती है । सर्दी जुकाम की बीमारी से भी पीड़ित हो रहे हैं इस समस्या का समाधान होना चाहिए।
- जाहिद मंसूरी, व्यापारी

धूल के कारण हम लोगों को बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या से छुटकारा दिलाने के लिए जिम्मेदारियां को ध्यान देना चाहिए।
- बंटी जैन व्यापारी

सांस लेने के दौरान धूल शरीर के अंदर प्रवेश करती है फेफड़ों पर जमने पर सांस लेने में परेशानी होती है, इसके कारण सर्दी जुखाम स्वास से संबंधित बीमारियां होती हैं।
- डॉक्टर संजीव माथुर

यादव बाहुल्य क्षेत्र के गांवों का दौरा, बुजुर्गों से लिया आशीर्वाद

चाहे कैसी भी परिस्थिति हो समाज हमेशा भाजपा के साथ ही रहा : उमाकांत शर्मा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

यादव समाज से हमारा राजनैतिक ही नही बल्कि पीढ़ियों से संबंध रहा है। विपरीत परिस्थितियों में भी हमेशा यादव समाज भारतीय जनता पार्टी के साथ खड़ी रही है। स्व. लक्ष्मीकांत जी और हमारे परिवार का सहयोग किया है। बीते चुनावों में भी जब यादव समाज के लोग यहाँ भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ने आए तब भी हमारी यह समाज तस से मस नही हुई और पार्टी के साथ खड़ी रही। यह बात भाजपा प्रत्याशी उमाकान्त शर्मा ने यादव बाहुल्य क्षेत्र में अपने दौरे के दौरान कही।

ओराखेड़ी,नेकान चुनियाखोह सहित अनेक गाँवों में वोट अपील करने पहुँचे भाजपा प्रत्याशी उमाकांत शर्मा ने कहा कि भाजपा ने हमेशा अपनी इस यादव समाज को इस वार्ड से जिला पंचायत,जनपद पंचायत सहित सहित संगठन में प्रतिनिधित्व देकर सम्मान देने का काम किया है। इस क्षेत्र की नेकान पंचायत ने तो रिकार्ड बना लिया है इस पंचायत से पूर्व में हमारे बहुत ही बड़े नेता स्व.प्राण सिंह यादव और जनसंघ से समर्पित नेता कोमल सिंह जी की बहू, भगवान सिंह की पत्नी रामकंवर भाभी जिला पंचायत अध्यक्ष रही। एक सामान्य से कार्यकर्ता हमीर सिंह यादव जनपद के अध्यक्ष रहे और अब उनकी पत्नी पुष्पा यादव जनपद के प्रतिनिधित्व कर रही हैं। जीवट नेता अनंत सिंह दादा मार्केटिंग के उपाध्यक्ष रहे है।

उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र की प्रगति के लिए हमने भौपाल रोड से इमलानी तक सड़क मार्ग को जोड़ने का काम किया अब इन क्षेत्र के सभी गाँवों में हनोता समूह नलजल परियोजना का लाभ मिलने जा रहा है जिससे अब घर घर मे ही टोंटी वाले नल से पीने का शुद्ध पानी मिलेगा। उन्होंने कहा कि आज समाज को भाजपा से तोड़ने का एक बार फिर से प्रयास किया जा रहा है। भौपाल मार्ग के फोर लेन होने से इस रोड के गाँवो में जागृति आई है रोजगार के अवसर भी सृजित होने लगे है। अगर यह विकास की रफ्तार ऐसे ही चलती रही तो आने वाले समय में यह एरिया ओर यहाँ के किसान ओर समृद्ध होंगे । आज विधानसभा क्षेत्र का भला न चाहने वाले गाँव मे जाकर झूठा प्रचार और वातावरण को गंदा करने का प्रयास कर रहें है। उन्होंने जनता जनार्दन को आगाह करते हुए कहा कि पहले एक बार लक्ष्मीकांत जी के चुनाव हराने से हम विकास में बहुत पिछड़ गए थे अब भी अगर ऐसा हो गया तो मैंने मुख्यमंत्री शिवराजसिंह के सहयोग से जो अरबों रुपये की योजनाएं स्वीकृत करवाई हैं वह बंद हो जाएंगी और हमारा क्षेत्र फिर से पिछड़ जाएगा।

दौरे में गांव-गांव मे उत्साह के साथ भाजपा प्रत्याशी का ग्रामीणजनों ने साफा बांधकर स्वागत किया। इस अवसर पर उमाकांत शर्मा ने बुजुर्गो के पैर पड़कर आशीर्वाद भी लिया। इस दौरान उनके साथ प्रमुख रूप से जनपद अध्यक्ष पुष्पा यादव,वरिष्ठ नेता महेंद्र सिंह दांगी, चरण सिंह राजपूत, संतोष चौरे, हमीर सिंह यादव, भगवान सिंह यादव अशोक रावल सहित ग्रामीण क्षेत्र के उपस्थित रहे।

कांग्रेस प्रत्याशी ने बाजार में किया जनसंपर्क, जगह-जगह हुआ स्वागत

सिरोंज। विधानसभा चुनाव को लेकर जीत के दावे तो बैसे सभी उम्मीदवारों के द्वारा किए जा रहे हैं। मतदाताओं के बीच पहुंच कर उनके दिल में जगह बनाने के लिए सभी जोर-शोर से ताकत लगा रहे हैं। इसी क्रम में कांग्रेस उम्मीदवार गगनेंद्र रघुवंशी ने गुरुवार को क्षत्री चौराहे से व्यापारी बंधुओ से आशीर्वाद मांगने के लिए जनसंपर्क प्रारंभ किया तो बासौदा नाके तक पहुंचने में 7 घंटे से अधिक का समय लग गया। हजारों की संख्या में समर्थक इनके साथ जन समूह रहे थे। दूसरी ओर व्यापारियों के द्वारा पहले से ही स्वागत की तैयारी की जा रही थी ऊपर से फूलों की बारिश भी की गई। व्यापारियों के द्वारा भी जगह-जगह फूल माला मिठाई साल श्रीफल साफ बांधकर दुकान दुकान पर स्वागत किया इसके चलते चलना आगे बढ़ना मुश्किल हो रहा था। स्वागत के दृश्य को देखकर विरोधी खेमे के उम्मीदवारों की धड़कनें बढ़ गई है। वैसे चुनाव में इस बार ऐसा नजारा कांग्रेस के प्रति पहली बार देखने को मिला रहा इतनी बड़ी संख्या में जुलूस कभी कांग्रेस नहीं निकल पाई है। वहीं कांग्रेस उम्मीदवार गगनेंद्र रघुवंशी ने कहा कि जनता जनार्दन ने ही मुझे टिकट दिया है, उनके आशीर्वाद से ही मैं चुनाव लड़ा हूं यहां सब मुझे विधानसभा भेजेगा ऐसा मुझे पूरा विश्वास है एक-एक व्यक्ति एक-एक कार्यकर्ता मेरा परिवार है हर वर्ग को साथ लेकर चलेंगे किसी भी तरह का कोई भेदभाव नहीं होगा सब मिलकर क्षेत्र का विकास करेंगे हर कार्यकर्ता हर समाज हर वर्ग का बराबर सम्मान होगा किसी भी तरह का कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा जीत के प्रति पूरी तरह से अश्वस्त हू और भारी जन समर्थन से जानता मुझे विधानसभा भेजेगी। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

अवैध शराब के ठिकानों पर दबिशें, 5 लाख मूल्य से अधिक की अवैध शराब की जब्त

रतलाम, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर भास्कर लाक्षाकार के निर्देश पर सहायक आयुक्त आबकारी नीरजा श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में सहायक जिला आबकारी अधिकारी नानूराम वास्कले द्वारा आबकारी उपनिरीक्षकों को साथ लेकर दल-बल सहित ताल तहसील के कंजर डेरे पंथपिपलोदा एवं ग्राम कसारी में दबिश दी गई। दबिश में 80 लीटर हाथ भट्टी कच्ची मदिरा एवं लगभग 5 हजार किलो महुआ लहान जप्त किया जाकर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34 (1) के 4 प्रकरण ज्ञात आरोपियों के विरुद्ध एवं 2 प्रकरण अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध कायम किए जाकर विवेचना में लिए गए।

निर्वाचन प्रेक्षक ने मतदान केंद्रों पर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

विधानसभा निर्वाचन के मद्देनजर केंद्रीय सामान्य प्रेक्षक उदय नारायण दास ने नर्मदापुरम और सिवनी मालवा विधानसभा अंतर्गत मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। विधानसभा चुनाव के लिए आगामी 17 नवंबर को मतदान होगा। इसकी तैयारियों को लेकर गुरुवार को प्रेक्षक दास इटारसी पहुंचे। उन्होंने ब्लॉक केसला के पथरोटा स्थित मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। साथ ही केंद्रों के आसपास की सुरक्षा व्यवस्था परखी एवं मतदान केन्द्रों पर सभी आवश्यक सुविधाओं को उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए गए 7 इसके बाद प्रेक्षक श्री दास द्वारा विधानसभा क्षेत्र होशंगाबाद अंतर्गत इटारसी के एमजीएम कॉलेज वाणिज्य शाखा, शासकीय कन्या महाविद्यालय, सरस्वती स्कूल मेहरागांव, शासकीय माध्यमिक शाला गांधीनगर, रेलवे विद्यालय यार्ड के मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने केंद्रो पर मतदाताओं के आवागमन के लिए अलग अलग एंट्री एवं एग्जिट प्वाइंट बनाने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही मतदान केन्द्रों की साफ सफाई एवं अनावश्यक पड़ी सामग्री को तत्काल हटाए जाने के लिए कहा है।

निर्वाचन प्रेक्षक ने बूथों पर प्रकाश, पेयजल व साफ-सफाई, दिव्यांगों के लिए व्हीलचेयर, रैंप की व्यवस्था कराने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की मंशा के अनुरूप ही मतदान को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराया जाएगा। इस दौरान क्रिटिकल मतदान केंद्रों की जानकारी लेने के साथ अधिकारियों को सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त करने के आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी इटारसी नीता कोरी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी इटारसी, थाना प्रभारी इटारसी इत्यादि उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर | सिरोंज में उर्दू दिवस पर आयोजित की गई संगोष्ठी

भाषा संवाद का माध्यम है, विवाद का नहीं

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

हर साल इंतिसाब पब्लिकेशंस और सद्भावना मंच की ओर से सैफी लाइब्रेरी में उर्दू दिवस का आयोजन किया जाता है। उर्दू दिवस महान शायर सर अल्लमा इक़बाल की जन्मतिथि के तौर पर 9 नवंबर को सारी दुनिया में मनाया जाता है। अल्लामा इक़बाल ने अपनी कविताओं के माध्यम से राम, गुरुनानक और कृष्ण की प्रशंशा की है। इकबाल ने कहा- है राम के वजूद पर हिंदुस्तान को नाज़/अहले नज़र समझते हैं उसको इमाम-ए-हिंद, हम उस कवि को कैसे भूल सकते हैं जिसने राम को इमाम-ए-हिंद कहा और जिसका सारे जहां से अच्छा हमारा राष्टीय गीत है इस दिन को मनाने का एक उद्देश्य उर्दू भाषा की लोकप्रियता को उजागर करना भी है और इसके महत्व की सराहना करना है। उर्दू भारतीय भाषाओं में एक विषप्रसिद्ध भाषा है। इस ज़बान को हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई और सभी धर्मों के लोगों ने अपनाया और इसमें किताबें लिखीं। संत नामदेव और मीरा बाई की कविताओं में भी उर्दू शब्दावली का इस्तेमाल मिलता है। उर्दू के पहले कहानीकार मुंशी प्रेमचन्द थे, मुंशी नवल किशोर, पंडित दया शंकर नसीम, पंडित गुलज़ार देहलवी, गोपी चंद नारंग, ज्ञान चंद जैन ने ना सिर्फ उर्दू को गले लगाया बल्कि ऐसे बड़े साहित्यिक कारनामे अंजाम दिए जो कभी भुलाए नहीं जा सकते। सैफी सिरोंजी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उर्दू सूफी संतों की ज़बान है, जो भी इसे अपनाता है कामयाबी उसके कदम चूमती है। उर्दू जैसी लोकप्रिय भाषा हर एक के दिल में जगह बना लेती है।

भाषाओं में एक है उर्दू जिस का नाम
बोलूं मैं तो फूल झड़ें खुशबू फैले आम

अनिल अग्रवाल ने कहा कि उर्दू भाषा के समृद्ध साहित्यिक खजाने, जो विभिन्न विचारों, संस्कृति और धर्म का मिश्रण है, को न केवल संरक्षित किया जाना चाहिए बल्कि इसका प्रसार भी किया जाना चाहिए क्योंकि उर्दू भाषा ने सच्ची धर्मनिरपेक्षता पैदा की है। सिरोंज में उर्दू साहित्य का अच्छा माहौल है और इसके लिए सैफी साहब ने बड़ी कुर्बानी दी है। स्तुति अग्रवाल ने कहा कि मैंने सिर्फ छह महीने में उर्दू लिखना पढ़ना सीख लिया था और आज मैं दो उर्दू पत्रिकाओं की सब एडिटर हूं। भाषा का कोई धर्म नही होता भाषा संवाद के लिए है, विवाद के लिए नही। एल बी इस कॉलेज के हेड ऑफ उर्दू डिपार्टमेंट डॉ उरूज अहमद ने कहा कि हमारा उर्दू विभाग सबसे बड़ा विभाग है जिसमें उर्दू के 150 छात्र छात्राएं हैं, जो बड़े शौक से उर्दू पढ़ते हैं लेकिन हम उनको यूजी के साथ पीजी भी करवाना चाहते हैं, जिसके लिए हम कोशिश कर रहे हैं। टी एस एफ स्कूल के संचालक हफीज अहमद कासमी ने उर्दू को गंगा जमुनी तहजीब का संगम और जिंदा जबानो का एक खूबसूरत गुलदस्ता कहा और उर्दू लिपि में ज्यादा से ज्यादा लिखने पर ज़ोर दिया।

आज अफगानिस्तान को सेमीफाइनल के लिए ज्यादा रनों से जीत चाहिए

अहमदाबाद, एजेंसी

वनडे वर्ल्ड कप 2023 का 42वां मैच आज साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान के बीच खेला जाएगा। मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। सेमीफाइनल में क्वालिफाई कर चुकी साउथ अफ्रीका 8 मैचों में 6 जीत और 2 हार के बाद 12 पॉइंट्स लेकर पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर है। दूसरी तरफ अफगानिस्तान 8 मैचों में 4 जीत से 8 पॉइंट्स लेकर छठे नंबर पर है। उसे सेमीफाइनल में क्वालिफाई करने के लिए आज का मैच 438 रन के अंतर से मैच जीतना होगा। अगर टीम स्कोर डिफेंड करने उतरी तो मैच शुरू होने से पहले ही रेस से बाहर हो जाएगी। साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान की टीमें वनडे में केवल एक बार भिड़ी हैं। यह मैच 2019 वर्ल्ड कप में खेला गया था। इस मैच में साउथ अफ्रीका को 9 विकेट से जीत मिली थी। इसके अलावा दोनों कभी भी आमने-सामने नहीं हुईं।

साउथ अफ्रीका को भारत से हार मिली

वनडे वर्ल्ड कप 2023 में साउथ अफ्रीका ने श्रीलंका को हराकर अपने सफर का शानदार आगाज किया। इसके बाद दूसरे मैच में टीम ने पांच बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराया। तीसरे मैच में नीदरलैंड से हारने के बाद टीम ने इंग्लैंड, बांग्लादेश, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड को हराया। हालांकि पिछले मैच में उसे मेजबान भारत के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

डी कॉक ने सबसे ज्यादा रन बनाए

साउथ अफ्रीका के ओपनर क्विंटन डी कॉक टीम के टॉप रन स्कोरर हैं। उनके नाम 8 मैचों में चार शतक हैं। उनके नाम 550 रन हैं। वहीं लेफ्ट आर्म मीडियम पेसर मार्को यानसन टीम के टॉप विकेट टेकर हैं, उनके नाम 17 विकेट हैं।

अफगानिस्तान ने 8 में से 4 मुकाबले जीते

टूर्नामेंट में बैक टु बैक सरप्राइज देने वाली अफगानिस्तान टीम 8 में से 4 मुकाबले जीती। टीम को पिछले मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। अफगान टीम इससे पहले मौजूदा चैंपियन इंग्लैंड, श्रीलंका, पाकिस्तान और नीदरलैंड जैसी टीमों को मात दी थी। टीम सेमीफाइनल की रेस से लगभग बाहर हो चुकी है लेकिन टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन से उन्होंने 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी में जगह पक्की कर ली है। 438 रन के अंतर से आज तक कोई टीम वनडे में नहीं जीती है, ऐसे में अफगानिस्तान अब सेमीफाइनल की रेस से बाहर ही है।

पाकिस्तान का सेमीफाइनल खेलना नामुमकिन

बाबर आजम की टीम के पास अब कोई मौका नहीं!

नईदिल्ली, एजेंसी

न्यूजीलैंड की श्रीलंका पर बड़ी जीत ने पाकिस्तान को वर्ल्ड कप सेमीफाइनल की रेस से लगभग बाहर कर दिया है। न्यूजीलैंड ने 9 मैचों में पांचवीं जीत हासिल की और पॉइंट्स टेबल में नंबर-4 पर रहना लगभग पक्का कर लिया है। न्यूजीलैंड के अब 10 पॉइंट्स हो गए हैं। वहीं, 8 मैचों से पाकिस्तान के 8 पॉइंट्स हैं। गणित के समीकरण अब भी पाकिस्तान को रेस में बता सकते हैं, पर वास्तविकता यही है कि बाबर आजम की टीम के पास अब कोई मौका नहीं है। खराब नेट रन रेट इसकी बड़ी वजह है।

पांचवीं बार सेमीफाइनल खेलेगा न्यूजीलैंड

न्यूजीलैंड टीम लगातार पांचवीं बार वनडे वर्ल्ड का सेमीफाइनल खेलेगी। इससे पहले 2007 और 2011 में टीम को श्रीलंका ने ही सेमीफाइनल में हराया था, जबकि 2015 और 2019 में टीम फाइनल तक भी पहुंची थी। दोनों ही बार उन्हें मेजबान टीमों से हार का सामना करना पड़ गया। 2015 में ऑस्ट्रेलिया और 2019 में इंग्लैंड ने खिताब जीता था।

मुंबई में भारत से सामना

11 नवंबर को पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच कोलकाता में लीग स्टेज का 44वां मैच होगा। इस मुकाबले के बाद ऑफिशियली कन्फर्म हो जाएगा कि भारत और न्यूजीलैंड ही सेमीफाइनल में भिड़ेंगे। कन्फर्मेशन के बाद दोनों का नॉकआउट मुकाबला 15 नवंबर को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में दोपहर 2 बजे से होगा। दोनों टीमें 2019 के वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में भी भिड़ी थीं, तब न्यूजीलैंड 18 रन से जीता था।

श्रीलंका से मैच जीतने के बाद

न्यूजीलैंड का नेट रन रेट +0.743 हो गया है। पाकिस्तान का नेट रन रेट अभी +0.036 है। पाक को सेमीफाइनल में जाना है तो उसे लगभग नामुमकिन अंतर से इंग्लैंड को हराना होगा। इसके लिए दो ही सिनैरियो हैं–

पहला– पाकिस्तान पहले बैटिंग करता है तो पाकिस्तान की टीम इंग्लैंड के खिलाफ पहले बैटिंग करती है तो उसे 287 रन से जीत हासिल करनी होगी। तब उसके पास भी 10 पॉइंट्स होंगे और नेट रन रेट न्यूजीलैंड से बेहतर हो जाएगा। पाकिस्तान की वनडे इतिहास की अब तक की सबसे बड़ी जीत 255 रन की रही है।

दूसरा- पाकिस्तान चेज करता है तो अगर इंग्लैंड की टीम पहले बैटिंग करती है, यानी पाक चेज कर रहा होगा तो उसे तय टारगेट 278 से 284 गेंद बाकी रहते चेज करना होगा। यानी टारगेट के अनुसार उसे 16 से 22 गेंद के अंदर मुकाबला जीत लेना होगा।

आज तक 287 रन के अंतर से नहीं हारा है इंग्लैंड

पाकिस्तान को अगर सेमीफाइनल में जगह बनानी है तो उनका बेस्ट चांस टारगेट डिफेंड करने में रहेगा। क्योंकि इंग्लैंड कितनी ही कमजोर क्यों न हो जाए पाकिस्तान को 16 से 22 गेंद के अंदर तो टारगेट चेज नहीं ही करने देगी।वनडे इतिहास में आज तक कोई टीम 16 गेंदों पर टारगेट चेज नहीं कर सकी है। श्रीलंका के नाम 26 गेंदों में टारगेट चेज करने का वर्ल्ड रिकॉर्ड है। टीम ने 2001 में जिम्बाब्वे को इस अंतर से हराया था। पाकिस्तान की भी गेंद बाकी रहते हुए सबसे बड़ी जीत जिम्बाब्वे के खिलाफ ही है। पाक ने 2018 में 9.5 ओवर में टारगेट चेज किया था। इंग्लैंड के खिलाफ 287 रन की जीत भी नामुमकिन ही लगती है, क्योंकि पाकिस्तान आज तक वनडे में इतने बड़े अंतर से नहीं जीता है। टीम को रन के अंतर से सबसे बड़ी जीत 2016 में आयरलैंड के खिलाफ मिली थी। तब उन्होंने 255 रन से मुकाबला जीता था। इंग्लैंड के खिलाफ तो पाकिस्तान 2 ही बार 100 से ज्यादा रन के अंतर से जीत सका है। इंग्लैंड की भी सबसे बड़ी हार 229 रन से है, जो उन्हें इसी वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका के खिलाफ मिली थी। वनडे इतिहास में भी अब तक 5 ही बार टीमें 287 से ज्यादा रन के अंतर से जीत दर्ज कर सकी हैं। यानी पाकिस्तान को सेमीफाइनल में क्वालिफाई करने के लिए इतिहास बदलना होगा।

लगातार तीसरी बार पाकिस्तान को नसीब नहीं होगा सेमीफाइनल

यह लगातार तीसरा वर्ल्ड कप है जब पाकिस्तान की टीम सेमीफाइनल में पहुंचने में नाकाम होगी। पाकिस्तान ने आखिरी बार 2011 के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। तब मोहाली में खेले गए मुकाबले में उसे भारत से ही हार झेलनी पड़ी थी। भारत ने वह वर्ल्ड कप जीता भी था। न्यूजीलैंड-श्रीलंका मैच से पहले पाकिस्तान के साथ-साथ अफगानिस्तान की टीम भी सेमीफाइनल की होड़ में थी। अब पाकिस्तान के साथ-साथ अफगानिस्तान की उम्मीदें भी दम तोड़ चुकी हैं।

37वें राष्ट्रीय खेल गोवा में मप्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

डेमो इवेंट गटका और मिनी गोल्फ में जीत एक स्वर्ण, 3 रजत और दो कांस्य पदक

पणजी, एजेंसी

मप्र के दल ने 37वें राष्ट्रीय खेल गोवा मे पुराने सभी कीर्तिमान ध्वस्त करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। 37 स्वर्ण, 36 रजत और 39 कांस्य पदकों के साथ कुल 112 पदक हासिल किए हैं। शूटिंग प्रतियोगिता के अंतिम दिन 10 मी. एयर रायफल स्पर्धा में एश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने स्वर्णित सफलता अर्जित की। फाइनल मुकाबले में एश्वर्य द्वितीय स्थान पर थे, अंतिम शॉट पर उन्होंने सटीक निशना लगाते हुये प्रथम स्थान अर्जित कर स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

मप्र के गोल्फ खिलाड़ी ओमप्रकाष चौहान ने गोल्फ की व्यक्तिगत स्पर्धा में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कुल 4 राउंड के मुकाबलों में -12 के स्कोर के साथ रजत पदक अर्जित किया। ओमप्रकाश ने रजत पदक अर्जित किया। प्रतियोगिता का स्वर्ण पदक कर्नाटका के यशस चंद्र

एमएस ने और कांस्य पदक कार्तिक शर्मा हरियाणा ने अर्जित किया। वहीं टीम गोल्फ स्पर्धा में कुल 18 टीमें भागीदारी कर रही थी। मप्र की टीम में ओमप्रकाश, एम. सिद्धार्थ श्रेष्ठ, हिनाज और आदित्य सिंह चौहान शामिल थे।

नेशनल गेम्स गोवा में मध्यप्रदेष की 37 खेलों में भागीदारी की थी। कुल 28 खेलों में म.प्र. के खिलाड़ियों ने कुल 37 स्वर्ण, 36 रजत और 39 कांस्य पदक सहित कुल 112 पदक हासिल किए। डेमो खेलो में भी मप्र का प्रदर्शन सराहनीय रहा गोवा नेशनल गेम्स मिनी गोल्फ और गटका डेमों खेलो को शामिल किया गया था। इन खेलो में अर्जित पदकों को मुख्य पदक तालिका में षामिल नही किया गया है। लेकिन मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों का प्रदर्शन उच्च श्रेणी का था। डेमों खेलों में मध्यप्रदेश ने एक स्वर्ण, 3 रजत और 2 कांस्य पदकों सहित कुल 6 पदक अर्जित किये।

मेट्रो बाजार

60 हजार देकर ले सकते हैं 60 लाख के सोने का कॉन्ट्रैक्ट

मुंबई, एजेंसी

आज धनतेरस है। इसमें अलग-अलग धातुओं से बनी चीजों को खरीदना शुभ माना जाता है। ऐसे में यहां हम कमोडिटी मार्केट के बारे में बता रहे हैं। बता दें कमोडिटी ट्रेडिंग में कॉन्ट्रैक्ट वैल्यू का 10-15 फीसदी का मार्जिन हमेशा मेंटेन करना पड़ता है। हर एक ट्रेडिंग डे के अंत में, क्लियरिंग हाउस कमोडिटी का सेटलमेंट प्राइस पब्लिश करता है। सेटलमेंट प्राइस और कॉन्ट्रैक्टेड फ्यूचर प्राइस के बीच का अंतर एडजस्ट किया जाता है। उदाहरण के लिए मैक्स पर सोने के कॉन्ट्रैक्ट का लॉट साइज 1 किलोग्राम है। अगर 10 ग्राम सोने की कीमत 60,000 रुपए है तो 1 किलो के लिए आपको 60 लाख रुपए देने होंगे। लेकिन एक्सचेंज पर आप एक किलो सोने का कॉन्ट्रैक्ट 10-15 फीसदी मार्जिन पर कर सकते हैं। यानी करीब 6 लाख रुपए में आप 1 किलो सोने का कॉन्ट्रैक्ट ले सकते हैं। अब अगर सोने की कीमत नीचे जाती है तो मार्जिन अमाउंट बढ़ जाएगा और वो आपको चुकाना होगा। कीमत ऊपर जाती है तो मार्जिन अमाउंट घट जाएगा। घटा हुआ अमाउंट आपके अकाउंट में आ जाएगा। अब कॉन्ट्रैक्ट एक्सपायरी पर मान लीजिए सोने की कीमत 62 लाख रुपए पर पहुंच गई तो आपके पास दो ऑप्शन है। या तो 60 लाख रुपए देकर सोना की डिलीवरी ले लीजिए। या फिर 2 लाख के मुनाफे में कैश सेटलमेंट कर लीजिए।

नेक्सॉन फेसलिफ्ट में जुड़ गए एडवांस्ट फीचर

नईदिल्ली। टाटा मोटर्स ने अपनी सबसे पॉपुलर कार नेक्सॉन का फेसलिफ्ट अनवील कर दिया है। कंपनी ने सब-4 मीटर एसयूवी के एक्सटीरियर और इंटीरियर डिजाइन को अपडेट किया है। इसके साथ ही कार में नए कलर एडवांस्ड कंफर्ट और सेफ्टी फीचर एड किए गए है। नई नेक्सॉन की 4 सितंबर से बुकिंग शुरू होगी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो कार इसी फेस्टिव सीजन में लॉन्च की जा सकती है। भारत में कार का मुकाबला मारुति सुजुकी ब्रेजा, हुंडई वेन्यू, महिंद्रा और किया सोनेट से होगा। डिजाइन की बात करें तो नई नेक्सॉन के फ्रंट और रियर लुक को पूरी तरह से चेंज किया गया है।

मनोरंजन — बॉलीवुड का कोना

2016 में कन्नड़ फिल्म 'किरिक पार्टी' से रश्मिका ने किया था फिल्मी करियर शुरू

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना इन दिनों एक डीपफेक वीडियो के चलते सुर्खियों में हैं, लेकिन आज हम उस वीडियो की नहीं बल्कि रश्मिका की लाइफ के दिलचस्प फैक्ट्स की बात करेंगे। रश्मिका ने अब तक अपने करियर में 20 फिल्में की हैं लेकिन शुरुआत की 4-5 फिल्मों के बाद ही पूरे इंडिया में उनके फैंस बन गए। उनकी पॉपुलैरिटी का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि अकेले इंस्टाग्राम पर ही उनके 39.4 मिलियन फॉलोवर्स हैं। कर्नाटक में तो रश्मिका का निक नेम ही नेशनल क्रश है, वहीं उन्हें एक्सप्रेशन क्वीन भी कहा जाता है। 5 अप्रैल 1996 को कर्नाटक के विराजपेट में जन्मी रश्मिका ने मास्टर ऑफ साइकोलॉजी की डिग्री हासिल है। शुरुआती दौर में उनके पिता मदन मंदाना क्लर्क थे। अब वो एक कॉफी एस्टेट के मालिक हैं।कॉलेज में रहते हुए रश्मिका ने क्लीन एंड क्लियर फ्रेश फेस 2014 प्रतियोगिता जीती थी जिसके बाद उन्होंने मॉडलिंग के असाइनमेंट लेना शुरू कर दिया था। 2016 में कन्नड़ फिल्म किरिक पार्टी से रश्मिका ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। रश्मिका ने बताया था फिल्म 'किरिक पार्टी' के लिए जब उन्हें प्रोडक्शन हाउस से कॉल आया तो उन्होंने इसे प्रैंक कॉल समझकर मना कर दिया और उनका नंबर ब्लॉक कर दिया था। दरअसल, तब उन्हें फिल्मों में काम करने में दिलचस्पी नहीं थी। रश्मिका ने एक इंटरव्यू में कहा था, मेरे टीचर मुझे उनसे मिलने के लिए साथ लेकर गए और मैंने उनसे ये कह दिया कि मुझे तो एक्टिंग करना आता ही नहीं है। कैमरे के सामने मैंने कुछ डायलॉग्स पढ़कर दिखाए और उन्होंने मुझे फिल्म में कास्ट कर लिया।

जय कोटक और अदिति आर्य दोनों एक-दूजे के हुए

अरबपति बैंकर उदय कोटक के बेटे जय कोटक ने पूर्व मिस इंडिया अदिति आर्य से शादी कर ली है। शादी मुंबई के जियो कन्वेंशन सेंटर में हुई, जबकि अन्य रस्में और फंक्शन उदयपुर में आयोजित किए गए। इस शादी में अंबानी परिवार समेत जाने-माने बिजनेसमैन शामिल हुए। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट्स के मुताबिक, जय और अदिति की मुलाकात पहली बार अमेरिका में हुई थी। लंबे समय से डेट करने के बाद दोनों ने इसी साल मई में सगाई की थी। इस बात की जानकारी जय ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट शेयर कर दी थी, तभी ये बात मीडिया के सामने आई थी। पोस्ट में उन्होंने अदिति को मंगेतकर कहा था और येल स्कूल ऑफ मैनेजमेंट यूनिवर्सिटी से पास आउट होने की बधाई दी थी। अदिति आर्या का जन्म 18 सितंबर 1993 को चंडीगढ़ में हुआ था। स्कूली पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज से ग्रेजुएशन पूरा किया। इसके बाद उन्होंने आगे की पढ़ाई की अमेरिका के येल स्कूल ऑफ मैनेजमेंट यूनिवर्सिटी से की। पढ़ाई के साथ उन्हें मॉडलिंग का भी शौक था। 2015 में 52वें ब्यूटी कॉन्टेस्ट में उन्होंने फेमिना मिस इंडिया में पार्टिसिपेट किया था और विनर भी रहीं। इसके बाद उन्होंने चीन में आयोजित 2015 मिस वर्ल्ड कॉम्पीटिशन में भारत का प्रतिनिधित्व किया। अदिति ने 2021 में रिलीज हुई फिल्म 83 से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म में उन्होंने रणवीर सिंह के साथ स्क्रीन शेयर किया था।

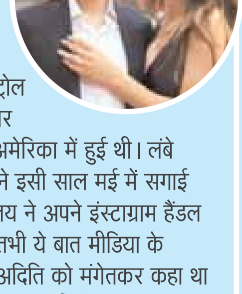

अनुभवन सिन्हा बोले- करियर का सबसे बड़ा फ्लॉप दिया, फिर भी रॉ.वन जैसी फिल्म हाथ लग गई

डायरेक्टर अनुभव सिन्हा को एक बात का काफी मलाल है। अनुभव ने कहा कि उन्हें शाहरुख खान की फिल्म रा.वन को और अच्छे से बनाना चाहिए था। अनुभव के मुताबिक, उनके पास मौका काफी अच्छा था। शाहरुख खान के साथ वो बेहतर फिल्म बना सकते थे, हालांकि ऐसा नहीं हो सका। अनुभव सिन्हा ने कनेक्ट स्नरूकनाडा से बात करते हुए कहा, मुझे लगता है कि शाहरुख खान के साथ एक अच्छी फिल्म बनाने में मैं फेल हो गया। मौका काफी अच्छा था, हालांकि मैं इसे भुना नहीं पाया। मुझे किसी भी कीमत पर एक अच्छी फिल्म बनानी चाहिए थी। अनुभव सिन्हा ने कहा कि रा.वन बनाने से पहले उन्होंने अपने करियर का सबसे बड़ा फ्लॉप (कैश) दिया था। इसके बावजूद उन्हें शाहरुख खान के साथ एक बड़ी फिल्म बनाने का मौका मिल गया। अनुभव ने आगे कहा, ऐसी फिल्मों के बारे में आप पहले ही सोच कर नहीं रखते हैं। ऐसी बड़ी फिल्में अचानक बनती हैं। मुझे रा.वन डायरेक्ट करने को तब मिल गई जब मैंने अपना करियर का सबसे बड़ा फ्लॉप दिया था।

शाहरुख की एक बात से दुखी थे अनुभव

अनुभव सिन्हा ने कनेक्ट एफएम कनाडा के साथ ही एक पुराने इंटरव्यू में शाहरुख और रा.वन को लेकर अपना दुख जाहिर किया था। अनुभव ने कहा कि लोगों ने रा.वन को फ्लॉप बताया तो उन्हें फर्क नहीं पड़ा, लेकिन जब शाहरुख ने खुद ही फिल्म को फ्लॉप करार दे दिया तो उन्हें बहुत दुख हुआ। अनुभव ने कहा, रा.वन को रिलीज हुए 12 साल हो चुके हैं। फिल्म के रिलीज होते ही लोगों ने इसे फ्लॉप बताना शुरू कर दिया था। हालांकि मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ा, लेकिन एक दिन मैंने खुद शाहरुख को सुना कि वो टीवी पर बैठ कर इसे फ्लॉप बता रहे थे। मेरा दिल टूट गया था। मैंने मन ही मन सोचा, शाहरुख ऐसा कैसे कह सकता है फिल्म ने भले ही उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं किया लेकिन फिर भी उसने अच्छा किया था। हम आज के समय में रा.वन को देखें तो ये बिल्कुल फ्लॉप नहीं थी। 150 करोड़ में बनी थी रा.वन, इसके वीएफएक्स की चर्चा आज भी होती है शाहरुख खान स्टारर रा.वन 2011 में रिलीज हुई थी।

बहनों में विवाद के बाद बहन ने खाया जहर, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सूखीसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित देवलखेड़ी गांव में बहनों के विवाद में एक बहन ने जहरीला पदार्थ खा लिया। परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां इलाज के दौरान गुरुवार सुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार मोनिका पिता भोजराज (18) गांव देवलखेड़ी, सूखीसेवनिया में रहती थी। वह पांच बहनों में चौथे नंबर की थी। उसके पिता भोजराज खेती किसानी करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि बुधवार रात बहनों का काम करने की बात को लेकर आपस में विवाद हुआ था। विवाद के बाद मोनिका ने घर में रखा जहरीला पदार्थ खा लिया। तबीयत बिगड़ने पर वह मोनिका को निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां इलाज के दौरान गुरुवार सुबह मोनिका की इलाज के दौरान मौत हो गई।

नगर निगम के चालक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित छह नंबर में नगर निगम कार्यालय के बाहर नगर निगम के ड्राइवर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उन्हें चक्कर आया था और वह गिर गए थे। उन्हें जय प्रकाश अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पीएम के लिए भेज दिया है। अनुमान है कि उन्हें हार्ट अटैक आया है। एएसआई महेश धुर्वे ने बताया कि सैयद जावेद हुसेन (55) फराज खाना, मकान नंबर-4 जहांगीराबाद में रहते थे और छह नंबर स्थित नगर निगम में ड्राइवर की नौकरी करते थे। उनकी ड्यूटी छह नंबर स्थित नगर निगम कार्यालय में थी। गुरुवार दोपहर वह कार्यालय में बाहर गाड़ी के पास खड़े थे, तभी अचानक उन्हें चक्कर आया और गिर गए। साथी उन्हें जय प्रकाश अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां पता चला कि उनकी मौत हो चुकी है।

शहर के साक्षी तिराहा पर हुआ हादसा, अलग-अलग जगहों पर भी हुई दुर्घटनाएं

अनियंत्रित स्कूटर डिवाइडर में टकराई, दो छात्र गंभीर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित साक्षी तिराहा पर अनियंत्रित स्कूटर डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में स्कूटर सवार दो कॉलेज छात्रों को गंभीर चोट आई है। दोनों को इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि प्रियांशु कुमार सिंह (19) मूलतः सिवान बिहार का रहने वाला है। फिलहाल वह कोटरा सुल्तानाबाद स्थित एक हास्टल में रहता है और रातीबड़ स्थित प्रायवेट कालेज में बीटेक प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रहा है। उसके साथ दोस्त विवेक कुमार ओझा भी रहता है। बीती सात नवंबर की शाम को विवेक कुमार हास्टल मालिक की स्कूटर लेकर नीलबड़ में रहने वाले दोस्त के घर अपना एटीएम कार्ड लेने गया था। उसके साथ प्रियांशु भी था। स्कूटर विवेक कुमार ही चला रहा था। रात करीब साढ़े सात बजे दोनों एटीएम कार्ड लेकर हास्टल लौट रहे थे। साक्षी ढाबा स्थित तिराहे के पास अचानक विवेक की स्कूटर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई, जिससे दोनों उछलकर डिवाइडर पर जा गिरे। इस हादसे में दोनों को गंभीर चोट आई थी। सूचना मिलते ही उनके कई साथी भी मौके पर पहुंच गए और उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। विवेक को गंभीर चोट आने से दूसरे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

किसान को टक्कर मारने वाले कार चालक पर केस दर्ज

बैरसिया इलाके में एक्सीडेंट में हुई एक किसान की मौत के मामले में पुलिस ने टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक ग्राम अर्जुनखेड़ी में रहने वाले इशाक उर्फ ईशा खान (50) किसानी करते थे। सोमवार दोपहर करीब डेढ़ बजे वह खेत से घर लौट रहे थे। रास्ते में अल्टो कार के चालक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे ईशा गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां अगले दिन सुबह उन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मर्ग जांच के बाद पुलिस ने टक्कर मारने वाले अल्टो कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। टक्कर मारने वाला कार चालक ग्राम धतुरिया थाना बैरसिया का रहने वाला बताया गया है।

ट्रक से उतर रहे चालक को बाइक सवार ने मारी टक्कर

अशोका गार्डन इलाके में सड़क किनारे ट्रक लगाकर नीचे उतर रहे एक ड्रायवर को तेज रफ्तार बाइक चालक ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। गंभीर रूप से घायल चालक को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक अजीत सिंह (48) आगरा उत्तर प्रदेश का रहने वाला है और गुड़गांव हरियाणा स्थित एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के ट्रक पर हेल्परी का काम करता है। अजीत ने पुलिस को बताया कि 7 नवंबर को वह मारुति कंपनी का सामान लेकर ट्रक चालक दिलवर सिंह जडेजा के साथ भोपाल आया था। बुधवार 8 नवंबर की शाम करीब साढ़े छह बजे सामान उतारने के बाद दिलवर सिंह ट्रक को मारुति शोरूम के पास साइड में लगाकर नीचे उतर रहे थे, तभी तेज रफ्तार बाइक चालक ने उन्हें टक्कर मार दी। अजीत उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल लेकर पहुंचा और गुरुवार को थाने पहुंचकर एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज कराई।

पिकअप वाहन की टक्कर से हुई थी छात्र की मौत

रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित बीलखेड़ी तिराहा पर बुधवार दोपहर बाइक सवार नाबालिगों को टक्कर मारने वाले पिकअप वाहन पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार राजा गौर (17) ग्राम बिशनखेड़ी थाना रातीबड़ में रहता है और 9वीं कक्षा में पढ़ता है। बुधवार को वह अपनी बाइक लेकर घूमने के लिए निकला था। भूत बंगले के पास परिचित विकास गौर (14) मिला और उसकी मोटर सायकिल पर बैठ गया। दोनों लड़के ग्राम बीलखेड़ा से मुंगालिया छाप की तरफ जा रहे थे, तभी दोपहर करीब साढ़े तीन बजे बीलखेड़ा मरघट के पास पीछे से आ रहे पिकअप वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों लड़के बाइक समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर ने विकास गौर को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घायल राजा की रिपोर्ट पर टक्कर मारने वाले पिकअप वाहन पर प्रकरण दर्ज कर लिया है।

पैदल जा रहे व्यक्ति को तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर

टीटी नगर में पैदल जा रहे एक व्यक्ति को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी, जिससे दोनों पैरों में गंभीर चोट आई है। पुलिस के मुताबिक पवन अवस्थी (32) सरस्वती नगर में रहते हैं और प्रायवेट काम करते हैं। उनके पिता प्रदीप अवस्थी (55) एक निजी कंपनी में काम करते हैं। बुधवार की शाम करीब चार बजे पिता-पुत्र सेंटर पाइंट न्यू मार्केट से पैदल अपने घर सरस्वती नगर जा रहे थे। माडल स्कूल के गेट क्रमांक 2 के सामने सब्जी मार्केट चौराहे पर पहुंचे, तभी माडल स्कूल की तरफ से आ रही तेज रफ्तार कार के चालक ने प्रदीप अवस्थी को टक्कर मार दी, जिससे उनके दोनों पैरों में गंभीर चोट आई। बेटे पवन और आसपास के लोगों ने उन्हें इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया और बाद में थाने पहुंचकर एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज कराई।

आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार को चुनाव न लड़ने की धमकी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

उत्तर विधानसभा क्षेत्र में आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार मोहम्मद सऊद को चुनाव न लड़ने की धमकी मिली है। उन्हें दो मोबाइल नंबरों से धमकी मिली थी कि यदि चुनाव लड़ा तो जान से खत्म कर देंगे। घटना की शिकायत सऊद ने कोहेफिजा पुलिस से की थी। कोहेफिजा पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस मोबाइल नंबर के आधार पर आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार शहीद नगर, कोहेफिजा निवासी मोहम्मद सऊद ने शिकायती आवेदन दिया था। उन्होंने आवेदन के माध्यम से शिकायत करते हुए बताया कि वे उत्तर विधानसभा (150) से विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी है। 6 नवंबर को उनके पास पौने दस और दस बजे क्रमशः दो कॉल आए। कॉलर ने उन्हें धमकी दी और कहा कि चुनाव नहीं लड़ना है। यदि चुनाव लड़ा तो जान से खत्म कर देंगे। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व भी उनके कार्यकर्ता को इस तरह की धमकी दी गई थी। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर आरोप लगाया है कि वह उनसे द्वेश भावना रखते है और धमकीभरा कॉल उनकी तरफ से ही किया गया है।

इंदौर नागपुर एक्सप्रेस में महिला का पर्स समेत एक लाख 32 हजार रुपए के जेवर चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी से गुजरने वाली ट्रेनों में चोरी की वारदात लगातार बढ़ते जा रहे है। इंदौर नागपुर एक्सप्रेस में एस वन में सफर कर रही महिला का पर्स अज्ञात चोर ने पार कर दिया। पर्स में पंद्रह सौ रुपए की नगदी, सोने का मंगलसूत्र सोने का कड़ा समेत 1 लाख 32 हजार रुपए का सामान था। जीआरपी भोपाल ने मामला दर्ज कर लिया है। जीआरपी के अनुसार मेघा चेतन बरानिया (45) कान्हा श्रीराधे ड्रेस मटेरियल लक्ष्मीबाई चौराहा मंदसोर में रहती है। वह ट्रेन नंबर 12913 इंदौर नागपुर एक्स के कोच नंबर एस-01 बर्थ क्र 17, से अपने भाई के साथ यात्रा कर रही थी। यात्रा के दौरान उनकी नींद लग गई। नींद खुली तो भोपाल रेलवे स्टेशन आ रहा था। उन्होंने देखा तो उनके सिर के पास रखा लेदर का ब्राऊन रंग का बैग नहीं था। बैग में बारह ग्राम का सोने का मंगलसूत्र कीमत पचास हजार रुपए और सोने का कड़ा समेत 1500 सौ रुपए की नगदी नहीं थी।

चुनाव प्रचार करने निकले प्रत्याशी से मारपीट, कपड़े भी फाड़ दिए

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अगामी विधानसभा चुनाव के उम्मीदवार से हबीबगंज में दो अज्ञात युवक ने मारपीट कर दी। मारपीट में उम्मीदवार के कपड़े फट गए। आरोपियों ने उसके मोबाइल छीनकर तोड़ भी दिए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मारपीट और तोड़फोड़ का मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे है। पुलिस के अनुसार केशव साहू (30) सोनागिरी सतनामी नगर पिपलानी में रहते हैं। वे नेशनल जागरण पार्टी से दक्षिण-पश्चिम विधानसभा के प्रत्याशी है। केशव ने पुलिस को बताया कि गुरुवार दोपहर करीब दो बजे वह अपने साथियों के साथ श्याम नगर प्रचार करने पहुंचे थे। मस्जिद के पास गुमटी के पास बैठे दो युवक उनको प्रचार करता देख उनके पास पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। केशव ने उनका विरोध किया तो दोनों ने उनके साथ झूमाझटकी कर दी और कुर्ता फाड़ दिया। इसके हाथ से दो मोबाइल फोन छीनकर जमीन पर पटक दिए। इस दौरान एक युवक उनकी कार में जबरन बैठ गया और बाद में उतर गया। मारपीट करने वाले एक युवक अरमान है। पुलिस ने केशव की शिकायत पर दोनों आरोपियों पर प्रकरण दर्ज कर लिया है।

मेट्रो एंकर | प्रमुख बाजारों के आसपास ट्रैफिक डायवर्सन

दीपावली पर उमड़ेगी बाजारों में भीड़, सुविधा के लिए बदली ट्रैफिक व्यवस्था

भोपाल, दोपहर मेट्रो

दीपावली त्यौहार को लेकर बाजारों में भारी भीड़ उमड़ेगी। आम लोगों की सुविधा के लिए यातायात पुलिस ने अगले तीन दिनों के सभी प्रमुख बाजारों के आसपास ट्रैफिक डायवर्सन के लिए साथ ही पार्किंग व्यवस्था की है। यह व्यवस्था 10 नवंबर से 12 नवंबर तक लागू रहेगी।

पुराने शहर में भी बदले रास्ते : पुराने भोपाल शहर के बाजार इलाके जनकपुरी, जुमेराती, छोटे भैया चौरा, घोड़ा नक्कास चौराहा, हनुमानगंज, आजाद मार्केट आदि इलाकों में शहर के अलावा आसपास के शहरों और देहात से भी आम नागरिक खरीदी करने आएंगे, जिससे भारी भीड़भाड़ है लिहाजा लोडिंग वाहन, आटो रिक्शा, चार-पहिया वाहन आंतरिक बाजार क्षेत्र प्रवेश नहीं करेंगे। करोंद, डीआईजी बंगला, सिंधी कॉलोनी, शाहजहांनाबाद की ओर से आने वाले सभी चारपहिया वाहन भोपाल टाकीज चौराहे से बाल विहार ग्राउंड, भारत टाकीज की ओर से आने वाले सभी दोपहिया वाहन सेन्ट्रल लायब्रेरी मैदान और संगम टॉकीज की ओर से सब्जी मंडी होकर बाजार आने वाले वाहन सब्जी मंडी प्रांगण में पार्क किए जाएंगे।

दस नंबर मार्केट

आम जन की सुविधा के लिए 10 नम्बर मार्केट की ओर जाने वाले मार्ग को वन-वे किया जाएगा। यहां वाहन वंदे मातरम चौराहा से 10 नम्बर मार्केट की ओर प्रवेश कर 10 नम्बर मार्केट तिराहा होते हुए नेशनल अस्पताल की ओर जा सकेंगे। इसी प्रकार साढ़े 10 नम्बर स्टॉप से वाहन 10 नम्बर मार्केट तिराहा होते हुए नेशनल अस्पताल की ओर जाएंगे। नेशनल अस्पताल से 10 नम्बर मार्केट तथा 10 नम्बर मार्केट से वन्दे मातरम चौराहे की ओर वाहन प्रतिबंधित रहेंगे।

न्यू मार्केट बाजार

न्यू मार्केट में टीटी नगर थाना चौराहे के पास स्थित मल्टी लेवल पार्किंग में पर्याप्त पार्किंग स्थान है, जहां न्यू मार्केट आने वाले लोग अपने वाहन पार्क करेंगे। यातायात का अत्याधिक दबाव होने पर रंगमहल चौराहे से थाना चौराहे की ओर एवं टीटी क्रास तिराहे से थाना चौराहे की ओर वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित किया जायेगा।

एमपी नगर बाजार

एमपी नगर जोन-1 में स्थित मल्टी लेवल पार्किंग एवं अन्य पार्किंग में वाहन पार्क किए जाएंगे। इसी प्रकार बैरागढ़ बाजार जाने वाले नागरिक अपने वाहनों को चंचल चौराहा स्थित मल्टी लेवल पार्किंग में पार्क करेंगे। ट्रैफिक पुलिस ने आम जनता से अनुरोध किया है कि असुविधा से बचने के लिए वह निर्धारित पार्किंग का उपयोग करें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-4917524, 2972022